लोकसुनवाई का विवरण

विषय :– ई.आई.ए. अधिसूचना 2006 (यथा संशोधित) के प्रावधानों के अनुसार मेसर्स अंबुजा सीमेंट लिमिटेड, ग्राम–बोईरडीह एवं कर्मडीह, तहसील–बलौदाबाजार एवं ग्राम मल्दी, मोपर एवं देवरानी तहसील भाटापारा जिला–बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.) स्थित उद्योग के द्वारा क्षमता विस्तार के तहत् चूनापत्थर उत्पादन क्षमता में 2.0 मिलियन टन प्रतिवर्ष से 6.3 मिलियन टन प्रतिवर्ष, (0.2 मिलियन टन प्रतिवर्ष स्क्रीन रिजेक्ट सहित रन ऑफ माईन 6.5 मिलियन टन प्रतिवर्ष), सबग्रेड 1.7 मिलियन टन प्रतिवर्ष, टॉप सोईल 0.27 मिलियन टन प्रतिवर्ष, वेस्ट 2.55 मिलियन टन प्रतिवर्ष (कुल उत्खनन 11.02 मिलियन टन प्रतिवर्ष) के साथ स्थापित क्रशर क्षमता 1800 टन प्रतिघंटा विथ स्क्रीन एवं प्रस्तावित क्रशर क्षमता 1800 टन प्रतिघंटा, माईनिंग लीज एरिया 553.656 हेक्टेयर के लिये पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु दिनांक 20.01.2025 को आयोजित लोकसुनवाई का विवरण।

भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, द्वारा जारी ई.आई.ए. अधिसूचना 2006 (यथा संशोधित) के तहत् मेसर्स अंबुजा सीमेंट लिमिटेड, ग्राम–बोईरडीह एवं कर्मडीह, तहसील– बलौदाबाजार एवं ग्राम मल्दी, मोपर एवं देवरानी तहसील भाटापारा, जिला–बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.) स्थित उद्योग के द्वारा क्षमता विस्तार के तहत् चूनापत्थर उत्पादन क्षमता में 2.0 मिलियन टन प्रतिवर्ष से 6.3 मिलियन टन प्रतिवर्ष, (0.2 मिलियन टन प्रतिवर्ष स्क्रीन रिजेक्ट सहित रन ऑफ माईन 6.5 मिलियन टन प्रतिवर्ष), सबग्रेड 1.7 मिलियन टन प्रतिवर्ष, टॉप सोईल 0.27 मिलियन टन प्रतिवर्ष, वेस्ट 2.55 मिलियन टन प्रतिवर्ष (कुल उत्खनन 11.02 मिलियन टन प्रतिवर्ष) के साथ स्थापित क्रशर क्षमता 1800 टन प्रतिघंटा विथ स्क्रीन एवं प्रस्तावित क्रशर क्षमता 1800 टन प्रतिघंटा, माईनिंग लीज एरिया 553.656 हेक्टेयर के पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त करने बाबत् लोकसुनवाई कराने हेतु छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मण्डल में आवेदन किया गया हैं। समाचार पत्रों दैनिक भास्कर तथा हिन्दुस्तान टाईम्स में दिनांक 26/12/2024 को लोक सुनवाई की सूचना प्रकाशित करवाई जाकर दिनांक 20.01.2025 समय प्रातः 11:00 बजे लोक सुनवाई का आयोजन ग्राम मोपर स्थित हायर सेकेण्डरी स्कूल मैदान, खसरा नंबर 571/1, रकबा 48.535 हेक्टेयर, तहसील भाटापारा, जिला–बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.) में छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल, क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर और जिला प्रशासन जिला–बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.) द्वारा संयुक्त रुप से किया गया है, जिसकी सूचना संबंधित ग्राम पंचायतों को प्रेषित की गई व तामिली भी ली गई।

परियोजना के पर्यावरणीय स्वीकृति बाबत् लोक सुनवाई दिनांक 20.01.2025 को अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, जिला बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.) की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। लोक सुनवाई के दौरान क्षेत्रीय अधिकारी, छ.ग.

पर्यावरण संरक्षण मंडल, रायपुर, जनप्रतिनिधि एवं लगभग 1100 जन सामान्य उपस्थित थे। लोक सुनवाई का कार्यवाही विवरण निम्नानुसार है :–

1. लोक सुनवाई प्रातः 11:00 बजे आरंभ हुई।

2. सर्वप्रथम उपस्थित लोगों की उपस्थिति दर्ज कराने की प्रक्रिया आरंभ की गई। जिन लोगों ने उपस्थिति पत्रक पर हस्ताक्षर किये है, उनकी सूची संलग्नक–01 अनुसार है, (पृष्ठ कमांक 1 से 28 तक)।

3. क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा प्रस्तावित परियोजना की लोक सुनवाई के प्रक्रिया के संबंध में जानकारी देते हुये अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी महोदया से लोक सुनवाई आरंभ करने का निवेदन किया गया।

4. अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, जिला बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.) द्वारा प्रस्तावित परियोजना हेतु लोक सुनवाई आरंभ करने की घोषणा की गई तथा परियोजना प्रस्तावक को प्रस्तावित परियोजना के संबंध में जानकारी देने हेतु निर्देशित किया गया।

5. परियोजना प्रस्तावक की ओर से विनय खंडेलवाल, पर्यावरण सलाहकार, जे.एम. एनवायरनमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने कहा कि अंबुजा सीमेंट लिमिटेड की जो मौजूदा मल्दी, मोपर चूना पत्थर खदान है उसमें चूना पत्थर की उत्पादन क्षमता को विस्तार के लिए रखी गई है। कंपनी पहले से ही 4.8 मिलियन टन प्रति वर्ष की क्षमता वाले सीमेंट प्लांट का संचालन कर रही है, जिसके लिए उसे 2016–17 में पर्यावरण मंजूरी मिली थी। 2022 में, कंपनी ने क्लिंकर उत्पादन क्षमता को 4.8 से बढ़ाकर 8.1 मिलियन टन प्रति वर्ष करने का प्रस्ताव रखा था, जिसके लिए उसे 2022 में पर्यावरण मंजूरी मिली थी। अब, वे चूना पत्थर की आवश्यकता को पूरा करने के लिए मल्दी मोपर चूना पत्थर की खदानों का विस्तार करने का प्रस्ताव कर रहे हैं। खनन पट्टे को 2009 में 30 साल के लिए यानी 2039 तक दर्ज किया गया था। उसके बाद, एमेंडमेंट एक्ट 2015 आया, जिसमें इस खदान की अवधि 2059 तक कर दी गई। एक माइनिंग प्लान (खनन योजना) के साथ प्रगतिशील खदान बंद करने की योजना बनाई जाती है, जिसके अनुसार खनन कार्य किया जाता है, जो 2022 में मंजूर किया गया था। परियोजना स्वीकृति के लिए, सबसे पहले आवेदन 2021 में पर्यावरण मंत्रालय को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को सबमिट किया गया था। उसके बाद, एक टर्म्स ऑफ रेफरेंस 2022 में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी किया गया था, जिसके अनुसार तीन महीने का अध्ययन किया गया था और अक्टूबर 2022 में यह अध्ययन किया गया था। उसके बाद, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में 24.04.2023 को जनसुनवाई के आवश्यक दस्तावेज सबमिट किए गए थे। जैसे कि सूचना में वर्णन किया गया है कि 30 दिन पहले समाचार पत्रों में अधिसूचना जारी करनी होती है, उससे पहले

26.11.24 और 26.12.24 को दो समाचार पत्रों में इसकी विज्ञापन दी गई थी, दैनिक भास्कर और हिंदुस्तान टाइम्स। परियोजना विस्तार के बारे में, जैसे कि यह परियोजना बोईरडीह, कर्मडीह, मल्दी, मोपर और देवरानी में स्थित है। इसमें कुल उत्खनन क्षमता 11.02 मिलियन टन प्रति वर्ष की होगी, जिसमें एक मौजूदा क्रशर है जिसकी क्षमता 1800 टन प्रति घंटा है, इसके साथ प्रस्तावित क्रशर भी रखा गया है, जिसकी क्षमता 1800 टन प्रति घंटा होगी। यह परियोजना को दिखाता हुआ स्थल का नक्शा है, अध्ययन क्षेत्र में किसी भी प्रकार का 10 किलोमीटर के दायरे में कोई वन्यजीव अभयारण्य, राष्ट्रीय उद्यान नहीं है। एक आरक्षित वन है जो 2.5 किलोमीटर और 9 किलोमीटर पूर्व–उत्तर दिशा में है। एक महानदी खनन पट्टे से जुड़ी हुई है जो दक्षिण–पूर्व दिशा में है। इसके अतिरिक्त, एक नाला है जो 10 किलोमीटर की दूरी पर है जिस पर किसी भी प्रकार का कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। परियोजना के लिए पानी के लिए 274 किलोलीटर प्रति दिन पानी की आवश्यकता होगी जो बोरवेल से लिया जाएगा और बिजली 6 मेगावाट की जरूरत होगी जो कैप्टिव थर्मल पावर प्लांट से ली जाएगी। मानव शक्ति में 99 लोगों की आवश्यकता होगी जो स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दी जा रही है और आगे भी दी जाएगी। परियोजना की कुल लागत 291 करोड़ रुपए है और पर्यावरण संरक्षण उपायों के लिए 16.31 करोड़ रुपए है। आवर्ती लागत 8.90 करोड़ रुपए है। खनन कार्य इस प्रकार से किया जाएगा कि जैविक भंडार 810 मिलियन टन प्रति वर्ष है, जिसमें से खनन योग्य भंडार 689.28 मिलियन टन है। लगभग 107 वर्ष तक यह खनन कार्य किया जाएगा, 6.3 मिलियन टन प्रति वर्ष की क्षमता से। 305 दिन कार्य दो पारियों में किया जाएगा। तो 22.15 हेक्टेयर क्षेत्र में खनन कार्य किया गया है और खदान के अंत तक 219 हेक्टेयर क्षेत्र में खनन कार्य किया जाएगा, इसके अतिरिक्त 3 हेक्टेयर क्षेत्र में क्रशर और खदान कार्यालय के आस–पास वृक्षारोपण किया जाएगा। मौसमी संबंधित आंकड़े जैसे कि मैंने बताया, मानसून अक्टूबर–नवंबर 2022 में अध्ययन का उल्लेख किया गया है, जिसमें प्रभावी पवन की जो दिशा है वह उत्तर–पूर्व की है। वायु, ध्वनि, भूजल और मिट्टी के सैंपलिंग स्थान को दर्शाता हुआ नक्शा है। 9 स्थानों पर वायु और ध्वनि की गुणवत्ता की जांच की गई थी और भूजल और मिट्टी के लिए 8 स्थानों को सिलेक्ट किया गया था जिसमें जो भी अध्ययन किया गया था वह सभी मानकों के अंदर पाए गए थे। वायु गुणवत्ता प्रबंधन और जल गुणवत्ता प्रबंधन, ध्वनि गुणवत्ता प्रबंधन अच्छी तरह से काम कर रहा है, धूल जो निकलती है उसको एकत्रित करने के लिए डस्ट कलेक्टर की व्यवस्था की गई है, कंट्रोल ब्लास्टिंग की सारी एक्टिविटी करना, लोडिंग और अनलोडिंग पॉइंट पर जल छिड़काव की व्यवस्था करना। ध्वनि और भूकंप प्रबंधन के लिए जो हैवी अर्थ मूविंग मशीन है, उसके केबिन के साथ साइलेंसर भी लगाए जा रहे हैं और

आस—पास के ध्वनि प्रदूषण को कम करने के लिए वृक्षारोपण और ग्रीन बेल्ट बनाए जा रहे हैं। जल प्रबंधन में खदान क्षेत्र के अंदर किसी भी प्रकार का मौसमी या बारह मासी जल धारा नहीं निकलती है, जैसे कि बताया कि दक्षिण पूर्व दिशा में महानदी नदी है साथ ही दो केनाल है 11 और 12 नंबर की उसमें किसी भी प्रकार का खदान जल नहीं भेजा जाएगा, खदान का जो जल है उसको एस.टी.पी. में उपचार किया जाएगा और वर्कशॉप में जो जल निकलता है उसका ई.टी.पी. में उपचारित किया जाएगा। किसी भी प्रकार का खराब जल खदान के बाहर नहीं भेजा जाएगा, गारलैंड ड्रेन का निर्माण किया गया है ताकि वर्षा का जल उसमें संग्रहित किया जा सके। खनन के पश्चात् 27 हेक्टेयर क्षेत्र में वृक्षारोपण किया जाएगा और 278 हेक्टेयर क्षेत्र सार्वजनिक उपयोग में दिया जाएगा, 11 हेक्टेयर क्षेत्र में जलाशय परिवर्तित किया जाएगा और लगभग 233 हेक्टेयर क्षेत्र एक्ट प्रभावित रहेगा। भूजल प्रबंधन में जैसे कि इस खदान क्षेत्र जिसमें भूजल को पहले ही प्रतिच्छेद कर दिया गया है, केंद्रीय भूजल प्राधिकरण से उसके लिए अनुमति भी ले ली गई है हरित पट्टीका पौधा रोपण में कुल 27 हेक्टेयर क्षेत्र में हरित पट्टिका विकास किया जाएगा और पेड़ों का जो घनत्व होगा वह 2500 पेड़ प्रति हेक्टेयर के हिसाब से लगाए जाएंगे। स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के संबंध में कहना चाहूँगा कि जैसे कि मौजूदा खदान है कंपनी पहले से ही श्रमिकों के स्वास्थ्य के लिए सजग है और समय—समय पर उनके उपचार के लिए उनके सारे टेस्ट किए जाते हैं, अंबुजा सीमेंट में 5 साल में करीब 20 करोड रुपए कार्य में खर्च किए हैं परियोजना से होने वाले लाभों में सबसे पहले यहां के जो स्थानीय लोग हैं उनको रोजगार में प्राथमिकता दी जाएगी। हरित पट्टिका का विकास किया जाएगा। केंद्र और राज्य सरकार को अतिरिक्त राजस्व इस खदान के माध्यम से प्रदान किया जाएगा, धन्यवाद।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, जिला बलौदाबाजार—भाटापारा (छ.ग.) के द्वारा कहा गया कि अभी आपके सामने परियोजना का उल्लेख किया गया है। इस संबंध में विचार व्यक्त करने के लिए मैं आपको आमंत्रित करती हूँ। आप कृपया यहां पर आयें माईक के पास एक—एक कर के और इस परियोजना के संबंध में अपना पक्ष या विपक्ष जो भी आप कहना चाहते हैं आकर अपना विचार रखें। आप अपना विचार व्यक्त करने से पहले अपना नाम और गांव का नाम बतायें। इसके बाद आप अपना विचार रखें। जिनको लिखित में देना है, वो लिखित में भी दे सकते हैं। मंच के पास काऊंटर बना है, वहां आप अपना लिखित में अभ्यावेदन दे सकते हैं और जिनको बोलना है वो कृपया माईक पर आयें और अपना विचार व्यक्त करें।

1. श्रीमती कंचन बंजारे, ग्राम–पौंसरी ने कहा कि जब हमारे गांव के आस–पास प्लांट नहीं था, तो स्थिति बहुत ही खराब थी मेरे गांव में आपात कालीन आग लग गया था तो उस समय अंबुजा फाउंडेशन में फोन किया गया था, तो हम लोगों को सहायता मिला इसलिए मैं आज की जनसुनवाई का समर्थन करती हूँ, ताकि हमारे गांव के आस–पास जितने भी गांव है सब को यह सुविधा मिलती रहे और यह प्लांट अपना विस्तार करते रहे और आस–पास के ग्रामीण लोग हैं उन लोगों को रोजगार मिलती रहे।
2. श्री वेद प्रकाश वर्मा, ग्राम–रवान ने कहा कि यह अंबुजा सीमेंट में खदान का विस्तार कर रहे हैं वह बहुत अच्छा है, इससे आस–पास के क्षेत्र में विकास की गति बढ़ेगी और मैं चाहता हूँ कि आज ब्लास्टिंग का जो दायरा है, उसे कम किया जाए, इससे आस–पास के गांव के जो घर है उसमें ब्रेक कम पड़ेगा और जो खदान में जो पानी भरता है उसको नहर में दिया जाए, आस–पास का सिंचाई क्षेत्र में विस्तार किया जाए, इससे आस–पास का सिंचाई का क्षेत्र बढ़ जाएगा, और जैसा की अंबुजा फाउडेंशन ने बहुत विकास किया है, तो मैं चाहता हूँ इस विकास को डबल किया जाए, जिससे आस–पास के क्षेत्र में और गतिविधि बढ़े, जैसे खेलकूद, जैसे खाली जगह है पूरा रोड किनारे आस–पास वहां पर पेड़ लगाया जाए और उसकी रक्षा के लिए सुनिश्चित किया जाए बहुत रोड खराब है लेकिन वह सब कुछ सुधार किया जाए और मैं इस लोक जनसुनवाई का समर्थन करता हूँ।
3. श्री यशवंत निर्मलकर, बलौदाबाजार ने कहा कि के द्वारा ट्रेनिंग सेंटर चलाया जा रहा है, जिसके तहत बहुत सारे युवाओं को रोजगार का माध्यम मिला है, तो मैं चाहता हूँ कि युवाओं की शिक्षा और गवर्नमेंट जॉब की प्रशिक्षण के लिए श्रेणी के स्तर को आगे बढ़ाया जाए, मैं इस लोक जनसुनवाई का समर्थन करता हूँ।
4. श्रीमती लीला वर्मा, ग्राम–अर्जुनी ने कहा कि हमारे आस–पास में प्लांट है जिसके कारण बहुत से बेरोजगारों को रोजगार मिला और इसकी वजह से उनकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी है, गांव के विकास के लिए भी बहुत सारा काम किया गया है, जैसे की सी.सी. रोड बनाया गया है, जहां पर पानी की समस्या हो रही थी वहां पर पानी की व्यवस्था की गई है और अभी जहां पर पानी की समस्या हो रही है वहां पर हैंडपंप की व्यवस्था कर दी जाए। समूह के माध्यम से बहुत से महिला को रोजगार मिला है। महिलाओं को पैसे की दिक्कत हो रही थी, उन्हें बैंक से लोन दिलवाया गया है, जिससे उन्हें बहुत सहायता मिली है, बेरोजगारों के लिए रोजगार की व्यवस्था की जाए और मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करती हूँ।
5. सुश्री तुलसी सेन, ग्राम–भाटापारा ने कहा कि मैंने अंबुजा फाउंडेशन से ब्यूटी पार्लर का कोर्स किया है, इसके बाद मेरा जॉब बिलासपुर में लगा था, वहां मुझे 10,000

महीना मिल रहा था और मैं अंबुजा सीमेंट फाउंडेशन ने आज मेरे को इस काबिल बनाया है कि मैं अपने पैर में खड़ा हो पाई हूँ, बहुत–बहुत धन्यवाद, मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करती हूँ।

6. श्री भरतलाल यदु, ग्राम–मोपर ने कहा कि मैं वर्तमान में गांव में निवासरत हूँ, हम चाहते हैं कि हमारे गांव में जो पर्यावरण के संबंध में सुनवाई हो रहा है, उसमें हमारे गांव की वातावरण दूषित ना हो साथ ही साथ हमारे गांव की जमीन का पानी का लेवल है वह कम ना हो, इसके बारे में ध्यान दिया जाए साथ ही साथ हम अंबुजा सीमेंट फैक्ट्री का स्वागत भी करते हैं क्योंकि विगत कई वर्षों से वह हमारे गांव को छोटे से लेकर बड़े काम कर रहे हैं और अभी हमारा मुख्य उद्देश्य है कि हमारे गांव का 600 से 700 एकड़ जमीन यहां पर निकला हुआ है ज्यादातर लोगों को रोजगार नहीं मिला है लेकिन हमें आश्वासन मिला है और हमें विश्वास है, जितने भी बेरोजगार बच्चे हैं सबको रोजगार दिया जाएगा और यहां पर जो भूकंप से अगर मकान के दीवारों को क्षति होता है, उनकी क्षतिपूर्ति कंपनी के द्वारा किया जाए। सब लोगों से बात कीजिए और जो पैसा है पूरे गांव वालों को पूछकर खर्च किया जाए अगर सब कुछ होता है तो हम पूरी तरह से इस जनसुनवाई का समर्थन करते हैं।
7. श्री मनोज कुमार वर्मा, ग्राम–रवान ने कहा कि खदान विस्तार के बारे में बोलना चाहूँगा आपने जितना भी जमीन खरीदे है जितना भी पेड़ काटे हैं, उसका डबल लगाना पड़ेगा। आप 100 से 150 फीट गड्ढा खोदेंगे, तो जल स्तर गिरेगा जिससे आस–पास के गांव में बहुत परेशानी होगा और पानी का समस्या होगा, इसका समाधान कीजिए। नल जल योजना के तहत सबको पानी वितरित कीजिए। आस–पास के गांव में जितने भी बेरोजगार हैं, आप उनको अपने यहां काम में रखिए, आपको बाहर से लाने के लिए जरूरत नहीं है आदमी यहां पढ़े–लिखे आई. टी.आई. डिप्लोमा इंजीनियरिंग, नर्सिंग किया हुआ सब है आपबाहर से लेकर आते हैं आदमी तो यहां का आदमी क्या करेगा आप प्रेशर में लग रहे हैं, यहां से जो धूल डस्ट निकलेगा उसे आप डस्ट कलेक्टर के द्वारा जमीन के अंदर भूमिगत करिए आप बेल्ट के जरिए लाइम स्टोन को 4 किलोमीटर दूर तक लेकर जाएंगे तो उसमें पानी का निरंतर छिड़काव होना चाहिए। अंबुजा फाउंडेशन के द्वारा बहुत से विद्यार्थियों को ट्रेनिंग दिया जा रहा है, इस तरह का ट्रेनिंग यहां के बच्चों को भी दिया जाना चाहिए, अंबुजा सीमेंट में 22 बच्चों को ट्रेनिंग देने के बाद काम में रखा गया है तो उसी तरह यहां के बच्चों को भी रखना चाहिए। आपके द्वारा जला हुआ तेल को डायवर्टेड नाले में न डाले, उससे किसान की फसल खराब नहीं होनी चाहिए यह घटना पहले भी रवान में हो चुकी है मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करता हूँ।

8. श्री मिलावन, ग्राम–गोडखपरी ने कहा कि अंबुजा फाउंडेशन सिटी में प्रियंका ध्रुव ने 2 महीने ट्रेनिंग किया है, उसके बाद अभी बेंगलुरु में नौकरी कर रही है।
9. श्रीमती अंजनी साहू, ग्राम–रवान ने कहा कि अंबुजा फाउंडेशन के माध्यम से बहुत सारी महिलाएं जो है, जैसे समूह के माध्यम से बहुत अच्छा कार्य कर रहा है और अंबुजा फाउंडेशन के माध्यम से शिविर का आयोजन किया जाता है हाईस्कूल का बाउंड्रीवॉल स्वास्थ्य केंद्र का बाउंड्रीवॉल निर्माण कार्य है, यह सब चीज में कार्य अंबुजा फाउंडेशन के माध्यम से हो रहा है। जो बेरोजगार है उनको भी रोजगार मिले अंबुजा फाउंडेशन के माध्यम से और इस जनसुनवाई का मैं समर्थन करती हूँ।
10. सुश्री निधि, ग्राम–भाटापारा ने कहा कि मैं अंबुजा फाउंडेशन से ब्यूटीशियन का कोर्स की हूँ और मेरा खुद का शॉप है और भविष्य में यह बहुत लाभदायक है, इसलिए मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करती हूँ।
11. सुश्री कुलेश्वरी साहू, ने कहा कि मैं अंबुजा फाउंडेशन से ब्यूटीशियन का कोर्स की हूँ और यहां सिलाई का भी ट्रेनिंग होना चाहिए, भविष्य में यह बहुत लाभ दायक है, इसलिए मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करती हूँ।
12. श्री मृणालसेन, ग्राम–बलौदाबाजार ने कहा कि अंबुजा फाउंडेशन द्वारा बहुत सारे युवाओं को ट्रेनिंग के साथ–साथ रोजगार दिया जाता है तो मैं चाहता हूँ, आने वाले समय में युवाओं को रोजगार मिलती रहे, इसलिए मैं जनसुनवाई का समर्थन करता हूँ।
13. श्री दीपक वर्मा, ग्राम–मल्दी ने कहा कि कोई भी प्लांट आने से गांव का विकास होता है और युवाओं को रोजगार का अवसर मिलता है जिस तरह अभी प्लांट द्वारा पर्यावरण का संतुलन बनाकर रखा गया है इस तरह वातावरण को संतुलन बनाकर रखें, मैं प्लांट का समर्थन करता हूँ, और बेरोजगार युवाओं को रोजगार दिया जाए।
14. श्रीमती हेमलता वर्मा, ग्राम– अर्जुनी ने कहा कि आस–पास में अंबुजा कंपनी होने से हमारे गांव को बहुत फायदा होता है,गांव के आवश्यक कार्य होते हैं और गांव का विकास होता है। बेरोजगारों को रोजगार मिलता है, हमारे गांव में बहुत से विकास कार्य हुए हैं जैसे सी.सी. रोड का निर्माण किया गया है और स्कूल में भोजन के लिए बर्तन की व्यवस्था की गई है आदि कार्य किए गए हैं और महिलाओं का समूह बनाया गया है, उसमें सब महिलाओं को जोड़ कर रोजगार करने के लिए उन्हें प्रशिक्षण दिया गया है मैं भी वहां से सिलाई प्रशिक्षण सीख कर अभी महीने का 5,000 से 6,000 तक कमा लेती हूँ, जो बेरोजगार है उन्हें रोजगार दिया जाए, इसलिए मैं जनसुनवाई का समर्थन करती हूँ।
15. श्रीमती लता, ग्राम–खैरताल ने कहा कि अंबुजा प्लांट की तरफ से हमारे गांव में बहुत से विकास के कार्य हुए हैं, उनके बारे में बताना चाहती हूँ, जैसे कि स्कूल की बाउंड्रीवॉल का निर्माण कराया गया, जिससे बच्चे अब सुरक्षित हैं, स्कूल में टॉयलेट

का निर्माण कराया गया है और मध्याह्न भोजन के सुविधा के लिए रूम का निर्माण कराया गया है और पानी उपलब्ध कराया गया है, तालाब पर गहरीकरण करवाया गया है, इनके अलावा बहुत सारा विकास के कार्य किए गए हैं, मैं चाहती हूँ कि गांव के जो बेरोजगार युवा है, उन्हें उनके योग्यता के अनुसार रोजगार मिले और जो भद्रापाली की रोड है, उसकी मरम्मत होनी चाहिए और चौड़ीकरण होना चाहिए और प्रदूषण में रोकथाम लगाना चाहिए, जिससे गांव वालों को कोई परेशानी ना हो और मैं अंबुजा फाउंडेशन से यह आशा करूंगी कि मेरे गांव के युवा बेरोजगार को योग्यता के आधार पर रोजगार मिले, मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करती हूँ।

16. श्री ईश्वर जांगड़े, सरपंच, ग्राम–सरकीपार ने कहा कि मैं सबसे पहले तो अंबुजा फाउंडेशन को धन्यवाद देना चाहता हूँ क्योंकि उन्होंने हमारे गांव में विकास के कार्य करवाए हैं और हम आशा भी करते हैं कि यह विकास कार्य और प्रगति करें और मेरे गांव के बेरोजगार भाई को रोजगार मिले और मैं इस जनसुनवाई को समर्थन करता हूँ।
17. श्री शिव निर्मलकर, ग्राम–मोपर ने कहा कि अंबुजा फाउंडेशन के तरफ से ट्रेनिंग सेंटर चलाया जा रहा है। जिससे युवाओं को रोजगार मिले, इसलिए मैं इस जनसुनवाई को मैं समर्थन करता हूँ।
18. श्री शुभम सेन, बलौदाबाजार ने कहा कि अंबुजा फाउंडेशन के द्वारा बेरोजगारों को रोजगार दिया जा रहा है और स्वास्थ्य संबंधी कार्य भी किया जा रहे हैं, इसलिए मैं इस लोकसभा का समर्थन करता हूँ।
19. श्री संतोष दास मानिकपुरी ग्राम– खैरताल ने कहा कि गांव के आस–पास जितनी भी समस्या है उनका निराकरण किया जाए और मैं इस चूनापत्थर खनन परियोजना का समर्थन करता हूँ।
20. श्री श्याम कुमार चतुर्वेदी, भाटापारा ने कहा कि मैंने फाउंडेशन से राजमिस्त्री का प्रशिक्षण किया हूँ और मुझे कलेक्टर के द्वारा सम्मान पत्र मिला है और मैं अभी प्रधानमंत्री आवास योजना में मिस्त्री का कार्य कर रहा हूँ मेरा अनुरोध है कि जैसे राजमिस्त्री का प्रशिक्षण गांव में जाकर अंबुजा फाउंडेशन के द्वारा कराया जा रहा है, इस तरह दूसरे ट्रेड को भी गांव–गांव में जाकर प्रशिक्षण दें, तो बहुत अच्छा होता क्योंकि गांव वालों को इससे ज्यादा फायदा होता है, मेरा गांव यहां से बहुत दूर है तो हमारे गांव के लोग इलेक्ट्रीशियन और फिटर में प्रशिक्षण करना चाहते हैं लेकिन गांव दूर होने की वजह से यहां तक नहीं आ पाते हैं तो अंबुजा फाउंडेशन से प्रार्थना है कि वह गांव–गांव में जाकर प्रशिक्षण देने की कृपा करें और मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करता हूँ।
21. श्रीमती केसर बाई साहू, ग्राम–रवान ने कहा कि फाउंडेशन के द्वारा तालाब गहरीकरण, पचरी निर्माण का कार्य करवाया गया है और इस से मैं बहुत खुश हूँ।

22. श्री राजकुमार रजक, ग्राम– गैतरा ने कहा कि मेरे गांव में अंबुजा कंपनी के द्वारा तालाब गहरीकरण और पचरीकरण का कार्य करवाया गया है, तालाब गहरीकरण होने से अब उसमें 12 महीना पानी रहता है, अब से पानी की तकलीफ दूर हुई है और पचरी निर्माण से बच्चे और सियान जो फिसलकर गिर जाते थे उससे अब निजात मिला है, उसके साथ–साथ बोर के उत्खनन करने से पानी लाने की जो दूरी थी, वह दूरी कम हुई है महिलाओं के लिए महिला सशक्तिकरण के लिए गांव–गांव में योजना चलाया गया जिससे महिलाओं को रोजगार मिला है और साथ ही साथ आस–पास के स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार मिले और एक निवेदन है कि कंपनी से जो हमारे आस–पास के लावारिस जानवर है चाहे वह कुत्ता हो वह भी एक जीव है, उनके लिए कुछ व्यवस्था की जाए, उनके लिए सरकार द्वारा अभियान चलाया जाता है, उसकी व्यवस्था की जाए और मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करता हूँ।
23. श्रीमती सुखमणि, ग्राम– कर्मडीह ने कहा कि मेरे गांव में अंबुजा कंपनी के द्वारा बहुत सारे कार्य करवाए गए हैं जैसे की महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य और कृषि सबके लिए, उसके साथ–साथ पंचायत में भी बहुत सारा कार्य करवाया गया है जैसे की सीसी रोड का निर्माण, नाली का निर्माण, तालाब का गहरीकरण और स्कूल में बाउंड्रीवॉल का निर्माण, स्कूल में बच्चों के लिए बर्तन की व्यवस्था है और पानी की व्यवस्था की है महिलाएं पहले इस योजना में नहीं जुड़ती थी क्योंकि फिर पैसे को बहुत सारे लोग लेकर भाग जाते थे पहले यहां की महिला, साहूकार से दबी हुई थी अब महिलाओं को प्रशिक्षण देने से हम लोग साहूकार से मुक्त हुए। पहले ज्यादा ब्याज में पैसे लेते थे, अब कम ब्याज में पैसे लेते हैं, इससे महिला के परिवार में आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी हुई है, हमारे गांव के बहुत से लोग पलायन करते हैं, जिससे उनके बच्चों को अच्छी शिक्षा नहीं मिल पाती है तो अंबुजा सीमेंट से यही चाहते हैं कि हमारे गांव के युवको को उनके योग्यता अनुसार रोजगार मिले और इसलिए मैं जनसुनवाई का समर्थन कर रही हूँ।
24. श्री कामदेव धृतलहरे, ग्राम–कोसरी ने कहा कि मैं इस जनसुनवाई में अपना पक्ष रखते हुए यह बोलना चाहता हूँ, जो अभी प्लांट का माइंस खोला जा रहा है उसे आस–पास के गांव के विकास जैसे सड़क, नाली, पीने का पानी, सामुदायिक भवन आदि की व्यवस्था अंबुजा सीमेंट प्लांट द्वारा किया जाना चाहिए तथा पर्यावरण का विशेष ध्यान देना चाहिए आस–पास के क्षेत्र के खाली जगह पर अधिक से अधिक मात्रा में वृक्षारोपण करना चाहिए। साथ ही साथियों को रोजगार का अवसर दिया जाना चाहिए इस जनसुनवाई का मैं समर्थन करता हूँ।
25. सुश्री अंजू वर्मा, ग्राम–रवान ने कहा कि मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करती हूँ, ग्रामीण क्षेत्रों में कंपनी की स्थापना से स्थानीय लोगों के आय में वृद्धि हुई है और

ग्रामीण क्षेत्र के विकास में भी विस्तार हुआ है और स्वास्थ्य सुविधाओं में भी सुधार आया है ट्रेनिंग सेंटर के तहत इलेक्ट्रीशियन, ब्यूटीशियन, वेल्डर आदि कोर्स के द्वारा युवक और युवतियों को रोजगार के योग्य बनाया गया है इसलिए मैं इस लोकसभा का समर्थन करती हूँ।

26. श्री दिलीप कुमार खूंटे, ग्राम–रवान ने कहा कि अंबुजा सीमेंट के द्वारा किसानों के लिए एक मिनी राइस मिल प्रदान किया गया है हमारे ग्राम पंचायत कर्मडीह में भी बहुत सारे कार्य हुए हैं लेकिन एक चीज है कि हमारे जो युवा बेरोजगार है उनको रोजगार नहीं मिल पा रहा है अंबुजा के हेड के द्वारा 98 लोगों को लिखित में दिया गया है कि ग्राम पंचायत कर्मडीह के बच्चे को हम काम देंगे लेकिन उसमें से 50% लोग बेरोजगार हैं, हम चाहते हैं कि जितने भी आस–पास के गांव के बच्चे हैं युवा बेरोजगार हैं और हमारे जो किसान भाई हैं, उनके लिए सब्सिडी की दर में अच्छे किस्म की धान 50% की दर पर दिया जाए और साथ ही खदान से निकलने वाले पानी को आस–पास के गांव में सिंचाई के लिए दिया जाए और पेयजल की व्यवस्था के लिए दिया जाए और पर्यावरण के सुधार के लिए अभी देखा जाए तो बहुत कम पेड़ लगा हुआ है तो और ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाया जाए, अंबुजा सीमेंट के द्वारा अच्छा ही काम किया जा रहा है और हम उसका समर्थन करते हैं और यह जो जनसुनवाई का कार्यक्रम है, उसका मैं समर्थन करता हूँ, सरकार से यह निवेदन है कि जो फंड का पैसा है वह अभी तक आस–पास के गांव में खर्च के पैसा नही मिल पा रहा है तो निवेदन करते हैं कि आस–पास के जो प्रभावित गांव है उन गांव को सहयोग किया जाए आज देखा जाए तो करमंडी गांव के 80% लोग पलायन कर रहे हैं अभी बेरोजगारी इतना बढ़ गया है कि 60% से 70% लोगों का तो पलायन हो गया तो उनके बच्चे कहां से पढ़ाई करेंगे तो निवेदन करना चाहूँगा कि यह पलायन की स्थिति को रोका जाए और उनके बच्चों को पढ़ाई की व्यवस्था की जाए और रोजगार भी दिया जाए और मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करता हूँ।

27. जनसुनवाई में उपस्थित ग्राम–रवान की एक महिला ने कहा कि यहां प्लांट खुलने से तालाब का गहरीकरण हुआ है सीसी रोड का निर्माण हुआ है और मैं इस प्लांट के खुलने का समर्थन करती हूँ।

28. श्रीमती मीनाक्षी पाठक, ग्राम–अर्जुनी ने कहा कि हमारे गांव से लगा हुआ अंबुजा प्लांट है मेरा समूह अंबुजा से जुड़ा हुआ है जिसमें आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक आदि अंबुजा से जुड़ने से हमें बहुत प्रकार की जानकारी हो रही है जैसे महिला सशक्तिकरण के माध्यम से हम महिलाओं का आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए जो मुझे फाउंडेशन की मैडम है वह हर घर में जा जाकर जानकारी दे रही है और आज की जो स्थिति है और जो महिलाएं फाउंडेशन से जुड़ी हुई है उनकी तो आर्थिक स्थिति बहुत ही मजबूत हो गई है हम महिलाएं उनके ही मार्गदर्शन से आगे

बढ़ रही हैं। हम महिलाओ को सिर्फ घर में चूल्हा चक्की से फुर्सत नही मिलता था और आज हम सब बढ़–चढ़कर चाहे वह सामाजिक हो या सांस्कृतिक कार्यक्रमों बढ़–चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं शिक्षा के क्षेत्र में भी उनके योगदान बहुत ही सराहनीय है स्कूलों में कंप्यूटर प्रदान किया गया है स्कूलों में बच्चों के लिए बस की सेवाएं फ्री में दी जा रही है जिससे हमारी छात्राएं बेटियां शहर में जाकर अपनी पढ़ाई पूरी कर पा रही है समय–समय पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाता है जैसे पर्यावरण के विषय में भी फाउंडेशन के द्वारा कई प्रकार के कार्य संचालित किए जाते हैं वृक्षारोपण को ध्यान में रखते हुए पौधे भी बहुत ही ज्यादा लगाया जा रहा है गांव–गांव में पानी के लिए हेंडपंप लगवाया गया है और भ्रमण हेतु भी हमें कहीं भी कहीं–कहीं ले जाया जाता है मैं यही कहना चाहती हूँ कि हमारे गांव में बहुत बेरोजगार युवक हैं जिन्हें प्लांट में काम मिल जाता तो अच्छा होता मैं जनसुनवाई का समर्थन करती हूँ।

29. श्री कमल बांधे, प्रदेश अध्यक्ष इंटक, छत्तीसगढ ने कहा कि आज के इस जनसुनवाई में उपस्थित आदरणीय अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, पर्यावरण विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी, आदरणीय एस.डी.एम. महोदय, सम्मानीय तहसीलदार महोदय जी, अतिरिक्त तहसीलदार महोदय जी, एस.डी.एम साहब, एस.एस.पी. साहब, हमारे मेसर्स अंबुजा सीमेंट के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी, खनिज विभाग, पर्यावरण, पुलिस प्रशासन और साथ ही रवान सहित आस–पास से आए हुए आदरणीय पंच, सरपंच एवं जनप्रतिनिधि लोग, सभी युवा भाई–बहन, माता–शक्ति, हमारे साथीगण और हमारे मीडिया साथीगण, तथा आज की लोकसुनवाई मेसर्स अंबुजा सीमेंट लिमिटेड का पर्यावरणीय लोक सुनवाई में हार्दिक स्वागत करता हूँ और समर्थन करता हूँ। स्वागत और समर्थन इसलिए करता हूँ कि मेसर्स अंबुजा सीमेंट लिमिटेड कई वर्षों से संचालित है और माइंस की क्षमता विस्तार होने से हमारे प्रभावित गांवों के युवा बेरोजगार लोगों को की रोजगार की व्यवस्था हो पाएगी। साथ ही गौण खनिज रायल्टी से मिलने वाला सी.एस.आर.फंड से हमारे रवान और आस–पास के गाँव का विकास होगा। साथ ही गौण खनिज रायल्टी के डी.एम.एफ. फंड से राज्य के विकास में भी अग्रणी भूमिका निभाएगी। साथ ही गौण खनिज रॉयल्टी एवं सी.एस.आर. फंड की डी.एम.एफ. से हमारे गांव के साथ ही प्रदेश के विकास में सहयोग होगा। हम सब जानते हैं कि जब इस देश में कोरोनाकाल आया था, तब हमारे एक आवेदन में मेसर्स अंबुजा कंपनी के द्वारा हमारे मजदूर साथियों के लिए खाने का व्यवस्था किया था, स्वास्थ्य चिकित्सा का व्यवस्था किया था और हमारे मजदूर साथियों को घर में बैठकर मासिक वेतन भी दिया था, जैसे जनहित और सार्वजनिक हित के कार्य में अग्रणी रहने वाले मेसर्स अंबुजा सीमेंट के जनसुनवाई का समर्थन करता हूँ।

30.श्री रूपेंद्र कुमार वर्मा, ग्राम–भद्रापाली ने कहा कि 10 जनवरी को इस कंपनी के लाईन 4, लाईन 5 के लिए जनसुनवाई का कार्यक्रम हुआ था, जिसमें हमारे गांव के लोगों ने एक मांग रखी थी, गांव से मेन रोड तक सड़क का निर्माण करने की तब यूनिट हेड ने 10 दिन के अंदर उसका सर्वे कराकर काम शुरू करने की बात कही थी, मैं यूनिट हेड सर को धन्यवाद देना चाहता हूँ कि आज सर्वे का काम शुरू हो चुका है और जल्दी सड़क निर्माण का कार्य शुरू करें साथ ही हमारे गांव के स्थानीय बेरोजगार युवाओं को प्राथमिकता के साथ रोजगार दे और मैं जनसुनवाई का समर्थन करता हूँ।

31.श्रीमती सपना, ग्राम–रवान ने कहा कि मुझे पानी की बहुत समस्या थी लेकिन मुझे फाउंडेशन की तरफ से पानी की टंकी मिली और हमारे गांव में सड़क भी बनवाया है और फाउंडेशन की तरफ से हमें काम मिला।

32.श्री शिव प्रसाद साहू, ग्राम–मोपर ने कहा कि इस जनसुनवाई में मेरे गांव मोपर में बहुत विकास हुआ है, मेरे गांव में 500 एकड़ जमीन में खेती होता है, जिसमें 5 किलोमीटर दूर से पानी आता है, जो मिट्टी का बांध है वह इस बार टूट गया, जिससे हम पानी जमा नहीं कर पाए। कंपनी के कर्मचारियों को मैं सादर निवेदन करता हूँ कि वहां पर सीमेंट की दीवार बनाई जाए और मेरे गांव में स्कूल है, हॉस्पिटल है, उसको प्राथमिकता मिलनी चाहिए। मेरे और आस–पास के गांव के बेरोजगारों को रोजगार मिलना चाहिए।

33.श्री रंजीत वर्मा, ग्राम– केसरी ने कहा कि कोई भी उद्योग आने से आस–पास के गांव का विकास होता है और यहां पिछले 35 वर्ष से उद्योग चल रहा है जिसमें आस–पास के बहुत सारे ग्रामीणों को रोजगार मिल रहा है लेकिन यह काफी नहीं है मैं चाहता हूँ और भी लोकल बेरोजगार भाइयों को काम मिलना चाहिए। आस–पास के गांव का और विकास होना चाहिए, जैसे शिक्षा और बच्चों के खेलकूद के लिए गांव में मैदान होना चाहिए, गलियों में लाइट की व्यवस्था होनी चाहिए और गांव में शुद्ध पानी की व्यवस्था होनी चाहिए। पर्यावरण के क्षेत्र में जो भी प्रदूषण हो रहा है, उस पर भी कंट्रोल करना चाहिए। अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए, मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करता हूँ।

34.श्रीमती संगीता भारती, ग्राम– रवान ने कहा कि गली में कचरा बीन कर अपना गुजारा करती थी, लेकिन अब कंपनियां आने से हमारी जिंदगी में बहुत बदलाव आया है, फाउंडेशन में हमें जोड़ा गया, हमें काम मिला है। मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करती हूँ।

35.श्री सूरत सतनामी, अखिल भारतीय सतनामी ने कहा कि अंबुजा सीमेंट के द्वारा नारी सशक्तिकरण और दूसरी चीजों में बहुत अच्छा कार्य किया जा रहा है मैं अपने

संगठन की ओर से अपना समर्थन पत्र प्रस्तुत करता हूँ लेकिन जो छोटी–छोटी जन समस्याएं हैं उनको कंपनी के द्वारा दूर किया जाए, निराकरण किया जाए।

36. श्री टिकेश्वर ध्रुव, सरपंच, ग्राम– कुकुरडीह ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल रायपुर छत्तीसगढ़ द्वारा अंबुजा सीमेंट के जनसुनवाई में उपस्थित हमारे शासन के अधिकारीगण, साथ ही अंबुजा फाउंडेशन के यूनिट हेड महोदय एवं समस्त स्टाफ और विशेष रूप से पहुंचे हमारे ग्राम पंचायत एवं ग्रामवासी का मैं इस लोक जनसुनवाई में हार्दिक स्वागत करता हूँ, इस खदान के क्षमता विस्तार के लिए या लोक सुनवाई हो रहा है लेकिन इस क्षमता के साथ–साथ हमारे जो प्रभावित गांव है, योग्यता के अनुसार वहां के युवाओं को रोजगार दिया जाए, अधिकारीगण से निवेदन है कि सी.एस.आर. का फंड तो है लेकिन डी.एम.एफ. फंड भी होता है, उसे कम से कम ध्यान में रखते हुए काम दिया जाता है तो निश्चित ही विकास होगा साथ ही पर्यावरण संरक्षण हमारे हेतु खेत में पेड़ पौधे लगे रहते हैं और खदान के कारण सबको कटाई किया जाता है तो हमारे आस–पास जितने भी खाली जगह है, वहां पर ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण किया जाए वातावरण को शुद्ध करें क्योंकि मेरा कुकुरडीह गांव तीन प्लांट से घिरा हुआ है और टापू के रूप में है तो मैं आप लोग से निवेदन करता हूँ कि पेड़ पौधा अधिक से अधिक लगाया जाए और हमारे गांव में जिनकी जमीन कंपनी के अधिग्रहण में आती है उन्हें तो किसी तरह रोजगार मिल जाता है लेकिन जो गरीब लोग हैं जिनके पास जमीन नहीं होती तो उनके बच्चों के लिए कंपनी के द्वारा कुछ किया जाए, चाहे दुख हो या सुख हो हमारे अंबुजा फाउंडेशन के द्वारा बहुत सारे कार्य हो रहे हैं, निश्चित रूप से पहले पानी की समस्या बहुत थी लेकिन आज नल के माध्यम से पानी की सप्लाई हो रही है, वार्ड 11 और 12 में पानी की समस्या है तो उसे देखते हुए उसका निराकरण किया जाए और समूह वालों को प्राथमिकता दें और मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करता हूँ।

37. सुश्री पूजा पटेल, भाटापारा ने कहा कि अंबुजा सीमेंट फाउंडेशन में मैंने ट्रेनिंग की है जिससे मुझे रायपुर में जॉब मिली है इसलिए मैं फाउंडेशन को बहुत धन्यवाद देती हूँ और मैं जनसुनवाई का समर्थन करती हूँ।

38. श्री गोलू खान, उप सरपंच, प्रतिनिधि, ग्राम देवरानी ने कहा कि मैं कहना चाहता हूँ कि हमारे ग्राम पंचायत देवरानी में सबसे बड़ा मुद्दा है बेरोजगारी, अगर इस बेरोजगारी की समस्या का निराकरण हो तो हमारे गांव का विकास होगा, हमारे गांव में अंबुजा फाउंडेशन ने बहुत से कार्य किए हैं जैसे नाली निर्माण, चबूतरा निर्माण और बहुत सारे कार्य अंबुजा फाउंडेशन द्वारा किए गए, हमारे गांव के जो युवा बेरोजगार है उनके लिए मैं अंबुजा फाउंडेशन से निवेदन करूंगा कि और गांव के लोगों को जिस तरह रोजगार दिया गया इस तरह हमारे गांव के लोगों को रोजगार दिया जाए और मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करता हूँ।

39.श्रीमती सुमित्रा साहू, ग्राम–अर्जुनी ने कहा कि अंबुजा फाउंडेशन के द्वारा हमारे गांव में बहुत से विकास के कार्य हुए हैं जैसे सीसी रोड, ज्योति कक्षा, किसानों के लिए सौर ऊर्जा, पानी की व्यवस्था नहीं थी, वहां पर बोरवेल की व्यवस्था की गई हैं और हमारे गांव के लड़कियों को ट्रेनिंग दिया गया है और उन्हें रोजगार मिल रहा है इसलिए मैं जनसुनवाई का समर्थन करती हूँ लेकिन अभी भी जो हमारे गांव के युवा है, उनको उनके योग्यता के आधार पर रोजगार दिया जाए और मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करती हूँ।

40.श्री बलराम यदु, ग्राम–मोपर ने कहा कि का अंबुजा सीमेंट के द्वारा जो भी कार्य किया जा रहे हैं वह बहुत ही सराहनीय है इसके साथ ही साथ चेकडैम का निर्माण किया गया है जिससे 500 एकड़ में अभी सिंचाई का कार्य हो रहा है, सामाजिक कार्य, धार्मिक कार्य, हर चीज में अंबुजा कंपनी का सहयोग मिलता है इसलिए मैं इस लोक जनसुनवाई का समर्थन करता हूँ लेकिन प्रबंधक लोग से मैं कहना चाहता हूँ कि बेरोजगारी के मुद्दे को विशेष ध्यान दिया जाए।

41.श्रीमती अंबिका साहू, ग्राम–रवान ने कहा कि अंबुजा प्लांट खुलने से लोगों को रोजगार मिला है और गाँव का विकास हुआ है।

42.श्री रमेश ध्रुव, ग्राम–कुकुरडीह ने कहा कि अंबुजा फाउंडेशन के माध्यम से हम किसानों को समय–समय पर ट्रेनिंग दिया जा रहा है और साथ ही हमारे गाँव के बेरोजगार बच्चों को ट्रेनिंग दिया जा रहा है, जो कि सराहनीय है।

43.श्री योगेंद्र कुमार साहू, ग्राम–भद्रापाली ने कहा कि पिछली बार जब यहाँ जनसुनवाई का कार्यक्रम हुआ था तब हमने कुछ माँगे रखी थी। थोड़े देर पहले हमारे गाँव के उपसरपंच ने बताया कि हमारी कुछ माँगों से सहमत हैं। एक बात और कि आप प्लांट और खदान का विस्तार कर रहे हैं। जब पहला प्लांट बना तो आपने एक स्कूल और एक छोटा सा हॉस्पिटल बनाया, अब हम चाहते हैं कि उस स्कूल को भी बड़ा किया जाये, ताकि हम भी अपने बच्चो को वहाँ पढ़ा सके। पहली प्राथमिकता आस–पास के गाँव के बच्चो को ही मिले और जैसे एन.एम.डी.सी., बाल्को जैसी कम्पनी बड़े–बड़े हास्पिटल का निर्माण करके रखते हैं। आप भी हास्पिटल बनवायें, हम यह नहीं कह रहे कि वहाँ हमारा निःशुल्क ईलाज हो कि आज कल बिमारी किसी को भी हो सकती हैं। आप कम रेट में ईलाज की सुविधा प्रदान करें। कंपनी को होने वाले प्रॉफिट से कुछ पैसे सी.एस.आर. मद के माध्यम से गाँव के कार्य में खर्चा करें। यहाँ खदान विस्तृत हो रहा है। जंगल का क्षेत्र 2 भागों में बंटा होता है, जैसे बफर जोन, कोर जोन तो उस हिसाब से हर गांव को दो जोन मे बाट लिजिए। कोर जोन में गाँव हो और बफर जोन में वृक्षारोपण का कार्य करें। आप लोग जन प्रतिनिधियों के साथ–साथ गाँव के शिक्षित लोगो की भी बात सुने। सभी रोजगार तो सबको चाहिए लेकिन हम जानते हैं कि आप सभी लोगो को रोजगार

नहीं दे पाएगें। जो सुविधाएँ आप दे रहे हैं, हम चाहते हैं कि वो सुविधाएँ सब तक पहुँचें। जिससे वो सक्षम हो सके और अपने पैरो में खड़ा हो सके। मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करता हूँ।

44. जनसुनवाई में उपस्थित ग्राम–खैरताल की एक महिला ने कहा कि सभी अधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों का मैं स्वागत करती हूँ। अंबुजा प्लांट के अंबुजा फाउंडेशन के माध्यम से बहुत से विकास के कार्य हुए हैं जो कि बहुत सराहनीय हैं। यहाँ कृषि शिक्षा, सभी क्षेत्र में कार्य हुए हैं। पचरी निर्माण, तालाब गहरीकरण, सीसी रोड का निर्माण और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी बहुत कार्य हुए हैं, महिलाओं को टीकाकरण के बारे में अवगत कराया जाता है। हमारे गांव में अंबुजा फाउंडेशन के द्वारा बहुत से समूह बनाये गए हैं जिसमें बहुत से ट्रेनिंग दिये जाते हैं, जिससे महिलाएँ अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रही है। हमारे समूह में हैण्ड वॉश बनाने का कार्य करती हूँ, जिससे 5,000–6,000 रूपय महीना कमा लेती हूँ, इससे मेरी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। मैं चाहती हूँ कि जो और महिलाएं है और युवा बेरोजगारों को उनके योग्यता के अनुसार रोजगार दिया जाये। इसलिए मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करती हूँ।

45. श्री भोला वर्मा, ग्राम–मल्दी ने कहा कि लोक सुनवाई में सभी अतिथि को मेरा नमस्कार, मैं इस जनसुनवाई के बारे में कहना चाहताहूँ, जैसे अभी अधिकत्तर वक्ता की मांग रोजगार के लिए हैं। कंपनी के द्वारा सी.एस.आर. फंड से बहुत काम हुआ है। प्रबंधक महोदय से निवेदन है कि रोजगार के मुद्दे पर ध्यान दें। भू–जल के बारे में कहना चाहूँगा कि समय–समय में ग्राऊण्ड वाटर की जाँच होनी चाहिए और इसकी जानकारी हम ग्राम वासियों को भी दी जाये और कम्पनी के द्वारा सी.एस. आर. फंड के द्वारा बहुत से विकास कार्य हुये हैं। मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करता हूँ।

46. श्री कुश कुमार साहू, ग्राम–मोपर ने कहा कि सभी अधिकारियों को सादर प्रणाम, आज मैं मोपर बस्ती की जो पीड़ा हैं उसके बारे में बताना चाहता हूँ, आज हम मोपर बस्ती तोंहर डाहर निहारत हैं, का होही मोर भविष्य करके आँसू बहांत हैं, 13 वर्ष पहले मोरे मुट्ठी ला काटीस हैं, सोना उपजावत मोर भूमि ला पत्थर डाल के पाटीस है, अऊ आज सौदागर बन के तुमन ला लालच फिर देवत है। इस कविता के माध्यम से मैं अपनी बात कहना चाहता हूँ कि अगर हमारा जमीन बिकेगा और उसमें खदान खुलेगा, जिससे बंजर जमीन की मात्रा बढ़ेगी। दूसरा मुद्दा यह है कि हम अभी बेरोजगार हैं बेरोजगारों को रोजगार दिया जाए और मैं आज की जनसुनवाई के पक्ष में नहीं हूँ।

47. श्री छन्नू लाल देवांगन, ग्राम–रवान ने कहा कि मैं जनसुनवाई का समर्थन करता हूँ साथ ही साथ अंबुजा फाउंडेशन को बहुत धन्यवाद देना चाहता हूँ क्योंकि इन्होंने

हमारे गांव में बहुत से विकास के कार्य किए हैं, हर 6 महीने में गांव में जाकर स्वास्थ्य शिविर लगाते हैं और फाउंडेशन का कार्य इसी तरह निरंतर चलता रहे।

48. श्रीमती कृष्णा देवांगन, ग्राम–कुकुरडीह ने कहा कि हमारे गांव के सरपंच ने सभी बातों को बता चुके हैं, मैं यह कहना चाहूँगी कि अभी हमारे गांव की महिलाओं को जो समूह में जोड़ा गया है, उसमें वह हमारे गांव की गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य चेक करती है, मैं जनसुनवाई का समर्थन करती हूँ।

49. श्री जितेंद्र कुमार जांगड़े, ग्राम–मोपर ने कहा कि हमारे गांव में बेरोजगारी की बहुत समस्या है, गांव के सभी युवा आस लगाकर बैठे हैं, आपके द्वारा इस माइंस का विकास हो रहा है, तो हम यह मांग करते हैं कि स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार प्राप्त हो।

50. श्री ओमप्रकाश यदु, ग्राम–मोपर ने कहा कि पर्यावरण के संबंध में आज यह लोकसुनवाई है तो चूनापत्थर खदान के विस्तार से हमारे गांव का जल स्तर नीचे जाएगा, तो मैं आपसे आशा करता हूँ कि हमारे निस्तार और पेयजल के लिए आप हमारे सुविधाओं का ध्यान दें और दूसरी बात है कि माइंस के खनन से गांव में स्वास्थ्य की समस्या होगी क्योंकि इससे वायु प्रदूषण होगा तो इससे बीमारियां होंगी तो आपसे निवेदन है कि एम.बी.बी.एस. डॉक्टर के द्वारा हमारे गांव में शिविर लगाया जाए और यहां शिक्षा में भी ध्यान दिया जाए सबसे बड़ा मुद्दा है कि हमारे गांव में बेरोजगारी दर बहुत ज्यादा है तो आपसे निवेदन है कि माइंस में हमारे गांव के लोगों को प्राथमिकता दी जाए क्योंकि हमारे गांव की सबसे ज्यादा जमीन अधिग्रहण होने वाली है।

51. श्री गुलशन कुमार साहू, विधायक प्रतिनिधि, ग्राम–मोपर ने कहा कि मेरा एक निवेदन है हमारे गांव में जितने भी बेरोजगार युवा हैं, उनको रोजगार दें, हम बताना चाहते हैं कि हमारे गांव के लगभग 700 एकड़ जमीन अंबुजा सीमेंट कंपनी के द्वारा अधिग्रहण किया गया है और आजतक एक भी युवक को रोजगार नहीं मिला है। जितने भी बेरोजगार युवक हैं उन्हें रोजगार दिया जाए और हमारे गांव में वाटर लेवल अभी से बहुत नीचे चले गया है तो मैं प्रशासनिक अधिकारियों और कंपनी के अधिकारियों से निवेदन करना चाहता हूँ कि पानी की व्यवस्था के लिए प्लांट द्वारा माइंस का पानी दिया जाए।

52. श्रीमती राखी ध्रुव, ग्राम–अर्जुनी ने कहा कि प्लांट खुलने की वजह से हमारे गांव में बहुत ज्यादा विकास हुआ है चाहे वह कृषि के क्षेत्र में हो। शिक्षा के क्षेत्र में हो महिलाएं पहले बैंक नहीं जा सकती थी, आज समूह से जुड़कर हमें फाउंडेशन के द्वारा ट्रेनिंग दिया जाता है जिससे उनके आर्थिक की स्थिति में बहुत सुधार आया है इसलिए मैं अंबुजा फाउंडेशन को बहुत धन्यवाद देती हूँ साथ ही बेरोजगार युवाओं

को उनके योग्यता के आधार पर रोजगार दिया जाए, जिससे उनके घर के आर्थिक स्थिति में सुधार हो। मैं इस लोक जनसुनवाई का समर्थन करती हूँ।

53. श्री सूरज सतनामी, अखिल भारतीय सतनाम सेना ने कहा कि मैं इस अंबुजा सीमेंट प्लांट के जनसुनवाई का समर्थन करता हूँ और मैं आग्रह करता हूँ कि आस–पास के युवाओं को रोजगार दिया जाए।

54. श्री विवेक वर्मा, ग्राम–देवरानी ने कहा कि सर्वप्रथम मैं यह कहना चाहूँगा कि हम इतनी देर से लाईन में खड़े हुए हैं और वहां पर लोग कह रहे हैं कि यह मुख्य जनप्रतिनिधि है, इसे पहले भेजिए। क्या कंपनी में भी ऐसा ही होता है? कि यह मुख्य जनप्रतिनिधि है तो इनको पहले रोजगार दीजिए, इसके साथ–साथ में कहना चाहूँगा कि अभी जो इस खदान क्षेत्र का विस्तार हो रहा है तो विकास बहुत जरूरी है लेकिन इसके पहले यह जो पढ़ा गया एनवायरमेंट इंपैक्ट एसेसमेंट कितने लोग इसको समझपाए? इसीलिए आप गांव में जाइए, प्रतिनिधि को अपने साथ लीजिए और वहां के लोकल भाषा में उनको समझाइए, तब वह समझ पाएंगे कि इस खदान क्षेत्र के विकास से उन्हें सिर्फ आर्थिक लाभ नहीं होगा बल्कि जो हानि होगी, वह प्राकृतिक हानि होगी और आने वाले 50 वर्षों में वह इसकी भरपाई नहीं कर पाएगी। छत्तीसगढ़ में हर साल 16000 हैक्टेयर जमीन खदान को दिया जाता हैं, यह क्षेत्र भी उसमें आता होगा इसके साथ–साथ बेरोजगारी के मुद्दे पर बात किया जाए तो 2023 के आंकड़े के अनुसार पूरे छत्तीसगढ़ में 6.8% बेरोजगारी है तो स्पष्ट रूप से बेरोजगारी में हमारे युवा भी शामिल है, आपकी कंपनी में जो भर्ती हो, वह फिल्ट्रेशन के माध्यम से हो जैसे कोई युवा शिक्षित है, उसने आपके यहा ंअप्रेंटिस कर लिया है उन्हें पहले प्राथमिकता दिया जाए, ना कि किसी जनप्रतिनिधि के सगे संबंधी को पहले प्राथमिकता दें। इसके साथ–साथ मैं आपको यह कहना चाहूँगा कि आप का जो सी.एस.आर. फंड है, उसके बारे में बहुत से लोगों को जानकारी नहीं होती है इसके लिए कमेटी गठित की जाए। मेरा अगला विषय वाटर हार्वेस्टिंग के लिए इसमें आप लोगों के द्वारा बहुत सारी योजनाएं चलाई गई, परंतु मैं आपको बता दूं इसका उद्देश्य मूल रूप से वाटर हार्वेस्टिंग नहीं रहता, लोग अपने आर्थिक लाभ के लिए इसे बनवाते हैं क्योंकि इससे सरकार पैसा देती है केवल कागजों पर योजनाओं को सफल बनाने से योजना सफल नहीं होती, जमीनी स्तर पर भी योजना पर कार्य करना होता है।

55. श्री कलेश्वर ध्रुव, ग्राम–गोड़खपरी ने कहा कि अंबुजा सीमेंट फाउंडेशन में मेरी लड़की ने 4 महीने के लिए ट्रेनिंग किया है और अब वह बेंगलुरु में जॉब कर रही है जिससे मुझे आर्थिक लाभ हुआ है इसलिए मैं इस लोकसुनवाई का समर्थन करता हूँ।

56.श्री सुनील वर्मा, ग्राम–देवरानी ने कहा कि बेरोजगार युवाओं के विषय में कुछ बात करना चाहता हूँ, हमारे आस–पास के क्षेत्र में बहुत से बेरोजगार युवक हैं, उन्हें रोजगार प्रदान करें, देवरानी गोद लिया हुआ ग्राम है और यहां से 200 से 250 ग्रामीण के जमीन दान दिया है और हमारे ही गांव के युवाओं को रोजगार नहीं मिला है, तो हमारे गांव के बेरोजगारों को रोजगार देने की कृपा करें।

57.श्री अजय चकोले, अध्यक्ष मजदूर सेवा समिति, रायपुर, पर्यावरण की जनसुनवाई में आये सभी अधिकारी को मेरा नमन है, मैं इस जनसुनवाई का विरोध करता हूं क्योंकि यहां पर ई.आई.ए. रिपोर्ट को लेकर मैंने पहले भी बार–बार कहा है कि रिपोर्ट सही नहीं बनती है यह रिपोर्ट में बहुत सारी चीजों को कंपनी के हिसाब से बनाया जाता है, जिससे इनको पर्यावरण की स्वीकृति प्राप्त हो जाती है लेकिन कुछ चीज हैं जो पर्यावरण रिपोर्ट देखने के बाद पर्यावरण भाग को भी उठाना चाहिए था सवाल कि उसमें बस्ती से दूरी दिखाई गई है लेकिन वहां पर 5 बस्तियां हैं तो कौन सी बस्ती से उसकी दूरी को दिखाया गया यह अभी तक समझ नहीं आया है यह आपका 1.4 में लिखा है आपने कि खनन पट्टा सीमा से अनुमानित आकाशीय दूरी तो वह आकाशीय दूरी कौन से बस्ती से है यह इस रिपोर्ट में नहीं बताया गया है यह पर्यावरण विभाग खुद ही आंख बंद करके बैठे हुए हैं और नहीं देखे की कैसी रिपोर्ट बनाई गई है कम से कम उस बस्ती का कॉर्डनेट प्वाइंट दे देते तो भी हमें समझ आ जाता की कौन सी बस्ती से दूरी दिखाई जा रही है, इसके साथ–साथ अंबुजा सीमेंट पहले भी बलौदा बाजार में जो दो बड़े माइंस को ले चुका है तो वह एक ढाई सौ एकड़ का तालाब बना हुआ है और उसे वह बहुत गहरा है और दूसरी तरफ कंपनी की तरफ एक माइंस है जो डेढ़ सौ एकड़ का तालाब बना हुआ है सबको मालूम है की खदान से रोड की दूरी आधा किलोमीटर होनी चाहिए लेकिन यहां पर 300 मीटर की दूरी पर खदान है, अंबुजा सीमेंट की इसको आप गूगल मैप से नापकर देख सकत हैं और उसकी क्लोजर रिपोर्ट भी नहीं बनाई गई है, अब तक जब पहले की खदान की क्लोजर रिपोर्ट बनी ही नहीं है तो नए खदान की लोक सुनवाई करने का क्या मतलब? क्लोजर रिपोर्ट में पहले पुरानी खदान को पाटना है उसके बाद ही नहीं खदान के लिए स्वीकृति मिलती है लेकिन पर्यावरण विभाग आंख बंद करके बैठा हुआ है और यह लोकसुनवाई का आयोजन कर रहा है यह सब पर्यावरण के नियमों के खिलाफ है और डी.एम.एस. के नियमों के खिलाफ भी है, मैंने पहले भी माइन्स डिपार्मेंट को एक पत्र लिखा था वह पत्र में सावधान के साथ संलग्न करके दे रहा हूं जिसमें डी.जी.एम.एस. ने कंपनी प्रबंधन को लिखा है कि इसकी जांच की जाए कि यह 300 मीटर में कैसे हुआ और इन्होंने वहां से लाइम स्टोन भी निकाल लिया है इस रोड के कम से कम 500 मीटर की दूरी पर खदान होना था क्योंकि यहां पर विस्फोटकों का इस्तेमाल होता है अगर वह किसी बस पर

गिरता है या किसी व्यक्ति या बच्ची पर गिरता तो उसकी मृत्यु हो सकती थी फिर भी कंपनी ने यहां पर माइंस से लाइम स्टोन निकला, जो नियमों के खिलाफ है इसलिए मैं प्लांट के खिलाफ हूं इसके साथ ही साथ हमने डी.जी.एम.एस. को एक और पत्र भेजा है कि माइंस से 11 के.वी.ए. की लाइन गुजर रही है लेकिन उसे बिजली की लाईन से कोई भी क्रेशर पावर लेकर अपना क्रेशर संचालित नहीं कर सकता है लेकिन अंबुजा सीमेंट के द्वारा 11 के.वी.ए. लाईन को विच्छेदन करके यहां से बिजली ली गई और 250 के.वी.ए. का क्रेशर चला रहे हैं और यह बहुत वर्षों से चल रहा है और 132 के.वी.ए. की लाईन केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण 2010 के अनुसार कोई भी पावरलाईन खदान से 500 मीटर की दूरी पर होनी चाहिए पर यहां पर 200 से 300 मीटर पर ही 132 के.वी.ए. की लाईन गुजर रही है, इससे आने वाले समय में जनहानि होने का खतरा बना रहता है इसीलिए नियम बनाया गया है कि 132 के.वी.ए. की लाइन कम से कम आधा किलोमीटर की दूरी पर हो इसके लिए विद्युत कंपनी जिम्मेदार है जिसने लाईन को यहां पर से गुजरा है साथ ही साथ माईंस के कारण तालाब भी बहुत गहरी हो जाते हैं और इसके कारण जो आस–पास के गांव के तालाब है जो थोड़े ऊपर लेवल के हैं उनका पानी भी इन माईंस के तालाब में चला जाता है और गांव में पानी सूख जाता है और गांव में पानी की समस्या आ जाती है रिपोर्ट में उन्होंने बताया कि यहां से 10 किलोमीटर की दूरी पर एक आरक्षित वन है, उसे जंगल में जंगली सूअर और सियार का वास है, जिसे इस रिपोर्ट में नहीं दर्शाया गया है कंसल्टेंट के द्वारा पूरी तरह से फर्जी रिपोर्ट बनाकर उसे दिल्ली भेजा जाता है, साथ ही साथ अंबुजा सीमेंट का जो पानी उत्सर्जन होता है, उसकी जानकारी इस रिपोर्ट में दी ही नहीं गई है, उस पानी का सैंपल में लेकर आया हूं जो नाले में बह रहा है, यह सैंपल मैं आपका भी दूंगा और प्राइवेट लैब में भी इसकी जांच कराऊंगा यह पानी पूरे गांव में जाता है और इस पानी से पूरा गांव नहाता है इस पानी में बच्चे भी नहाते हैं तो इस पानी का जिक्र इस रिपोर्ट में क्यों नहीं है यह कंसलटेंट जिसने रिपोर्ट बनाया है, वह पूरी तरह से फर्जी है और साथ ही साथ इस कार्यक्रम का आयोजन पर्यावरण भाग को करना होता है ना की कंपनी को तो मैं पूछना चाहता हूं कि क्या पर्यावरण विभाग खाना की व्यवस्था करता है? नाश्ते की व्यवस्था करता है क्या? नहीं यह सब कंपनी के द्वारा किया जा रहा है ताकि जनसुनवाई को प्रभावित किया जा सके तो ऐसी जनसुनवाई जिसमें लोगों को प्रभावित करके जनसुनवाई कराई जाए यह सरासर गलत है और पर्यावरण के नियमों के खिलाफ है ऐसे जनसुनवाई का मैं विरोध करता हूं।

58. श्री पुहुपराम यदु, ग्राम–मोपर ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हमारे यहां प्लांट का निर्माण हुआ है और हम हमारे भारत में अनेकता में एकता जहां लोग दूसरे प्रांत में जाकर कार्य करते हैं जहां हमको रोजी–रोटी मिलता है, वह स्थान को हम माता–पिता का

स्थान देते हैं, मेरा ऐसा मानना है कि बाहर प्रदेश से आए हुए लोग हैं, जो इस कंपनी में काम कर रहे हैं, निश्चित तौर से यह भूमि आपको रोजगार प्रदान कर रहा है, रोजी–रोटी प्रदान कर रहा है, आपके बच्चों का भविष्य सुरक्षित कर रहा है, इसलिए इस क्षेत्र के लोगों को भी आप अपने परिवार की तरह ट्रीट करें और उन्हें सम्मान दें निश्चित तौर पर यहां बैठे हुए अधिकारी और प्लांट से आए हुए अधिकारीगण अधिकांश गांव में पैदा हुए हैं और गांव में ही पले–बड़े हैं और गांव की संस्कृति को अच्छे से जानते हैं, औद्योगिक क्रांति का हम स्वागत करते हैं पर प्रभावितों के हितों की रक्षा ग्रामीणों की सुख शांति के साथ युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना चाहिए। प्रशासन उद्योग और ग्रामीण जन के सभी मदद से हमारे देश की उन्नति होगी, सी.एस.आर. फंड की राशि से निश्चित तौर पर हम अभी जहां बैठे हुए हैं, उस स्कूल की बाउंड्रीवॉल बहुत पहले बनवाया गया था कि सी.एस.आर. फंड की राशि आपको देना ही है हमारे गांव में खर्च करना ही है, फैक्ट्री के कुछ अधिकारी कुछ समय पहले हमारे गांव में आए थे और उन्होंने जिस तरह हमारे गांव वालों से मिलकर बात की वह सराहनीय है और कुछ अधिकारी और कर्मचारी ऐसे हैं जो सी.एस.आर. फंड के फंड को अपना समझते हैं और खर्च करते हैं, मेरा आग्रह है कि कंपनी प्रबंधन के अधिकारी हमारे गांव के लोगों से अच्छे से बात करें और मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करता हूँ।

59. श्री कृष्णा अवस्थी, ग्राम–भद्रापाली ने कहा कि शिक्षित हूँ लेकिन बेरोजगार नहीं हूँ, रोजगार है स्वयं की खेती बाड़ी करता हूँ और भद्रापाली में इसी कंपनी की जनसुनवाई हुई थी, उसमें भी उपस्थित हुआ था। मैडम आप भी थी और वहां पर भी मैंने अपनी बात रखा थी। इस बात की पुर्नरावृत्ति करते हुए कहना चाहता हूँ कि यहां पर जितनी भी जनसुनवाई होती है, वहां पर मैं बार–बार एक ही बात कहता हूँ और आजतक यह दुर्भाग्य है मेरा भी दुर्भाग्य है और इस क्षेत्र का भी दुर्भाग्य है कि जिस विषय पर मैं बात करता हूँ। मेरा विषय रोजगार नहीं हैं न हीं शांति सुरक्षा पर है, रोजगार मेरे कहने से तो मिलेगा नहीं मैं उद्योग का विरोध भी नहीं कर रहा हूँ, उद्योग लगे और औद्योगिक क्रांति आयें इस क्षेत्र में और इस क्षेत्र का विकास हो। बलौदाबाजार जिले का नाम स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाए। कृपया मेरी बात को आप लोग ध्यान में रखें मैंने भद्रापाली में यह बात कही थी, जहां आप स्वयं उपस्थित थी यहां पर दो जलाशय है, बलौदाबाजार के पास में कुकुरडीह जलाशय और छुईया जलाशय आस–पास 10–10 सीमेंट फैक्ट्रियां हैं कह रहे माइंस खोदने के कारण पानी का जो बहाव है, वह ढलान की ओर बहता है क्योंकि सीमेंट फैक्ट्री का माइंस इतना गहरा है तो पानी का बहाव गांव और नगर से मुड़कर माईंस की तरफ चला जाता है। अभी जनवरी का महीना चल रहा है, अभी हमें 6 महीना और झेलना है गर्मी को। यहां पर 400 फीट तक बोरवेल कराया जा रहा है और 1,000 फीट गहरे

बोरवेल में भी पानी की समस्या हो रही है और इसकी वजह यही है कि जो माइंस है वहीं प्रमुख कारण है माईंस में खनन होगा तभी पत्थर वहां से निकलेगा, उसका भी मैं विरोध नहीं कर रहा हूँ, बस आपके माध्यम से यह आग्रह कर रहा हूँ इन सीमेंट फैक्ट्री वालों से जितने भी यहां पर सीमेंट फैक्ट्रियां हैं, सभी के पास बड़ी–बड़ी मशीन हैं, आप नियति साफ करके, सबके साथ मिलकर गहरीकरण और सौंदर्यीकरण किया जाता है तो बहुत कुछ वाटर लेवल की समस्या से हमें निदान मिल जाएगा दूसरी बात यह की प्रवासी पक्षी कुकुरडीह जलाशय और छुईया जलाशय में बाहर देश की भी पक्षियाँ गर्मी के दिनों में प्रवास करते हैं तो यहां सौंदर्यीकरण होने से सबके लिए सैर सपाटा और मनोरंजन के लिए एक व्यवस्था हो जाएगी क्योंकि यह सुशासन का सरकार है छत्तीसगढ़ में समृद्धि आए यह मेरा 20वां मंच है और मैं आपसे फिर आग्रह करूंगा कि आप इस मंच के माध्यम से जितने भी सीमेंट प्लांट है उनको निर्देशित करिए कि यह दोनों जलाशय का सौंदर्यीकरण और गहरीकरण का कार्य करवाइए फिर उद्योग वाले पूरा विकास करें।

60. डॉ. सनम जांगडे, पूर्व विधायक एवं जिला अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी ने कहा कि आज जनसुनवाई है हमारे मल्दी, मोपर में और 8 तारीख को भद्रापाली की जनसुनवाई में भी में उपस्थित हुआ था इस क्षेत्र में जहां भी जनसुनवाई होती है वहां मैं जरूर जाता हूँ, हमारे यहां पर सभी शासकीय अधिकारी बैठे हुए हैं एवं शासकीय कर्मचारी बैठे हुए हैं सभी पत्रकार बंधु बैठे हुए हैं, मैं एक ही बात कहना चाहूँगा कि हमारे बलौदा बाजार जिला का आज जो नाम है विश्व में उद्योग के कारण राजस्व हमारे जिला को भी मिलता है और डी.एम.एफ. फंड की राशि भी हमारे जिला को मिलती है तो उस राशि को इस क्षेत्र के शिक्षा के लिए बिजली के लिए पानी के लिए और स्वास्थ्य के लिए और फंड का जो राशि है, तो मैं अवगत कराना चाहूँगा कि निश्चित ही 10 किलोमीटर के अंदर में आती है वह निश्चित ही इस बात का ध्यान रखें बिजली और रोड का काम तो होते रहता है, इस दो विषय को विशेष ध्यान में रखकर हर गांव में एक स्वास्थ्य के लिए व्यवस्था हो और शिक्षा के लिए विशेष व्यवस्था होता कि हमारे बच्चे आगे पढ़े और आगे बढ़े इस बात का विशेष ध्यान रखना है दूसरा विषय हमारे क्षेत्र के जो लोग हैं, मैनपॉवर है, अंबुजा के सभी अधिकारियों से मेरा आग्रह है कि यहां के स्थानीय बच्चे जो यहां पर के सीमेंट प्लांट में ठेकेदार बनना चाहते हैं और हमारे क्षेत्र के जो मजदूर है, वह मजदूर बाहर कार्य करने ना जाए, हमारे यहां के कुछ मजदूर भाई बाहर काम करने के लिए चले गए थे, जहां बंधक बनाकर रखा गया था जिसे कलेक्टर साहब और पुलिस प्रशासन की मदद से वापस लाया गया। यहां के युवाओं को भी कम दिन और मजदूरों को भी काम दे और पलायन न हो इस बात को भी ध्यान में रखें तो निश्चित ही उद्योग लगे इसका मैं समर्थन करता हूँ यहां पर चूनापत्थर खदान में यह क्षेत्र के लोग काम

करना चाहते हैं तिथि इस क्षेत्र में उद्योग लगे और हमारे स्थानीय लोगों को रोजगार मिले और मैं पूर्ण रूप से समर्थन करता हूँ, इस जनसुनवाई का।

61. लोक सुनवाई में उपस्थित महिला ने कहा कि मेरे घर का बिजली कटवाया फिर भी मुझे बिजली का बिल भेज रहे हैं, मेरे पास कुछ भी नहीं है, खेत भी नहीं है, मैं बिजली का बिल नहीं पटा सकती।
62. श्रीमती विनेश्वरी वर्मा, ग्राम–रवान ने कहा कि मैं जनसुनवाई का समर्थन करती हूँ।
63. श्री गुलशन वर्मा, ग्राम–देवरानी ने कहा कि हमारे गांव में निर्माण कार्य तो हुआ है लेकिन हम स्थानीय युवाओं को रोजगार नही मिल रहा, बाहर के लोगों को प्लेसमेंट करके ला लेते हैं और हम स्थानीय लोगों को कोई जॉब नहीं मिलता है यह मुद्दा है कि पर्यावरण प्रदूषण हो रहा है, माइंस को विस्तार करेंगे और ब्लास्टिंग करेंगे तो हमारे घर को क्षति पहुंचेगी और उसके जिम्मेदार आप लोग होंगे क्या तो इस माइंस के लिए मैं समर्थन देता हूँ।
64. श्रीमती तारा वर्मा, ग्राम–खैरताल ने कहा कि अब मुझे फाउंडेशन की तरफ से हमारे गांव में तालाब का गहरीकरण हुआ, स्कूल के बाउंड्रीवाल का निर्माण कराया गया इसलिए मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करती हूँ।
65. श्री राहुल साहू, ग्राम–देवरानी ने कहा कि यह जो लोग चंद उपहार लेकर कंपनी का समर्थन करते हैं, कहां खुश रहोगे आगे आने वाली पीढ़ी को क्या दोगे? मैं इस जनसुनवाई में कहना चाहता हूँ कि कंपनी हमारे क्षेत्र में खुला है, जिससे यहां के क्षेत्र के युवाओं को रोजगार मिलना चाहिए कंपनी से होने वाली हानि को हम आस–पास के युवा ही सहते है तो क्यों ना हमें कंपनी में रोजगार मिले। अभी मैं डिप्लोमा कर रहा हूँ तो मैं प्लेसमेंट के लिए बाहर गया था एक कंपनी में कंपनी का नाम है एको प्लास्ट। जब वह कंपनी प्लेसमेंट कर सकती है तो इतनी बड़ी अंबुजा सीमेंट की कंपनी क्यों प्लेसमेंट नहीं कर सकती। हमारे भैया जो बाहर जॉब करने के लिए गए हैं तो उन्हें वहां उनके साथ काम करने वाले पूछते हैं कि आप कौन से क्षेत्र से हैं और जो वह बताते हैं कि मैं बलौदाबाजार क्षेत्र से हूँ तो वह कहते हैं कि वहां पर इतनी बड़ी–बड़ी सीमेंट फैक्ट्रियां हैं आप उसे छोड़कर यहां पर जॉब करने क्यों आए हैं? यह हमारे लिए एक संशय का विषय है कि हमारे आस–पास इतनी बड़ी–बड़ी कंपनियां है फिर भी यहां के स्थानीय लोगों को रोजगार नहीं मिल पाता।
66. श्रीमती तृषा साहू, ग्राम–भद्रापाली ने कहा कि हमारे गांव में अंबुजा फाउंडेशन की तरफ से बहुत विकास हुआ है, भद्रापाली से मेन रोड तक जो पहुंच मार्ग हैं, उसे जल्द से जल्द बनाया जाए ताकि गांव के लोगों और बच्चों को आने–जाने में परेशानी ना हो मैं भी बेरोजगार हूँ, मुझे भी काम दिया जाए और मैं जनसुनवाई का समर्थन करती हूँ।

67.श्री गेंदराम देवांगन, उप सरपंच, ग्राम–मल्दी ने कहा कि लोगों को रोजगार दिया जाए और वृक्षारोपण में पीपल का पेड़ लगाया जाए और मैं इस लोकसुनवाई का समर्थन करता हूँ।

68.श्री दुर्गेश कुमार, ग्राम बलौदाबाजार ने कहा कि अंबुजा फाउंडेशन के तहत् युवाओं को ट्रेनिंग दिया जाता है और उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान किए जाते हैं इसलिए मैं जनसुनवाई का समर्थन करता हूँ।

69.श्रीमती ज्योति वर्मा, ग्राम–खैरताल ने कहा कि जिस तरह कंपनी का विस्तार किया जा रहा है इस तरह रोजगार और प्रशिक्षण में भी विस्तार किया जाए। पढ़े लिखे युवकों को पुलिस की ट्रेनिंग करनी होती है या आर्मी के लिए ट्रेनिंग करनी होती है तो यहां आस–पास ना हीं कोई मैदान है, ना ही कोई प्रशिक्षण देने वाला है तो मैं यह कहना चाहती हूँ कि प्लांट के जो संचालक हैं, वह इस बात को ध्यान दें और मैं चाहती हूँ कि महिलाओं को भी रोजगार दिया जाए, क्योंकि अभी ज्यादातर महिलाओं की जो लड़ाई हो रही है, वह शराबी पुरुष के कारण हो रही है, आज ऐसी बहुत सी महिला है जो अपने घर को खुद चला रही है तो महिलाओं को अधिक से अधिक प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार के बारे में जागरूक किया जाए इसलिए मैं चाहती हूँ कि प्लांट का विस्तार हो इसलिए मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करती हूँ।

70.श्री धर्मेंद्र पुरेना, ग्राम–कर्मडीह ने कहा कि मैं इस जनसुनवाई का विरोध करता हूँ क्योंकि यहां पर जो प्लांट बनता है वहां पर मजदूर रखे जाते हैं वहां लोकल मजदूरों को कम नहीं मिलता है वह साफ–साफ मना करते हैं कि लोकल मजदूर नहीं रखेंगे, हमारे गांव में लिखित में दिया गया था कि 125 लोगों को रोजगार दिया जाएगा लाईन 3 प्रोजेक्ट में। वहां भी नहीं लिया, बाहर से मजदूर मंगाकर उनसे काम करवाते हैं और धूल डस्ट हम सहते हैं, इस पर आप लोग ध्यान दीजिए।

71.श्री मनीष पाठक, ग्राम बलौदाबाजार ने कहा कि मैं जनसुनवाई का समर्थन इसलिए करता हूँ कि अब मुझे फाउंडेशन के द्वारा चलाए गए प्रोग्राम से युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होत हैं।

72.श्री डी.पी. वर्मा, ग्राम–मल्दी ने कहा कि जब यहां इस सीमेंट संयंत्र की स्थापना हुई उस समय लोगों में बहुत उत्साह था कि यहां पर फैक्ट्री आ रही है, यहां के स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा लेकिन धीरे–धीरे कंपनी का विस्तार होते गया। आस–पास के गांव के लोगों की जमीन जा रही है, इस कारण लोगों का आक्रोश बढ़ते जा रहा है। मैं कहना चाहता हूँ कि जिनकी धरती पर संयंत्र की स्थापना हो रही है वह गरीब क्यों होते जा रहा है? मैं यहां का स्थानीय निवासी हूँ और मेरे आस–पास के गांव के लोगों की जो जमीन है 100 एकड़। वह कंपनी के द्वारा अधिग्रहण किया गया है आज उनके पास कुछ भी नहीं है न ही उन्हें रोजगार मिला

और इस माइंस की जो लाइफ है वह 105 साल की है लोगों को रोजगार देते हैं 25 साल 30 साल की उम्र में और 58 साल की उम्र में उन्हें रिटायर कर देते हैं फिर उनके बच्चों को रोजगार नहीं दिया जाता बाहर के लोगों को जॉब दिया जाता है यहां के लोगों को जॉब नहीं मिलता है और हमारे सुझाव में इंप्लीमेंटेशन नहीं होता हैं। पर्यावरण के बारे में कहना चाहता हूँ कि यहां की वायु गुणवत्ता की जांच होनी चाहिए पानी की गुणवत्ता की जांच होनी चाहिए यहां इतने सारे जनप्रतिनिधि हैं गांव में किसी को पता ही नहीं चलता कि कब आपके विभाग के लोग यहां पर आकर वायु की गुणवत्ता जांच करते हैं और पानी की गुणवत्ता की जांच करते हैं और शिक्षा की जो बात है उसमें गांव के बच्चों को कुछ भी एक्स्ट्रा बेनिफिट नहीं मिलता है। स्वास्थ्य के बारे में कहना चाहूँगा कि आप लोग 6 महीने में एक बार स्वास्थ्य शिविर लगा देते हैं लेकिन उसका कोई फायदा नहीं होता है।

73. श्रीमती माहेश्वरी वर्मा, ग्राम–अर्जुनी ने कहा कि प्लांट की तरफ से हमारे ग्राम अर्जुनी में बहुत से विकास के कार्य किए गए हैं जैसे कृषि के क्षेत्र में किसानों को प्रशिक्षण दिया जाता है और उन्हें कृषि का सामान भी दिया जाता है, स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी अच्छे से काम किया जाता है, स्कूल में बच्चों के लिए शिक्षक की व्यवस्था की गई है और साथ ही साथ बच्चे लोगों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए खेलकूद के कार्यक्रम को चालू किया है और स्कूल में कंप्यूटर भी दिया गया है और लाइब्रेरी का भी निर्माण किया गया है, शौचालय का भी निर्माण किया गया है, इसलिए मैं जनसुनवाई का समर्थन करती हूँ।

74. श्रीमती भारती रजक, ग्राम–अमलीपार ने कहा कि फाउंडेशन की तरफ से बहुत सारे विकास के कार्य किये गए हैं। भवन निर्माण कराया गया है पानी की व्यवस्था की गई है नाली का निर्माण कराया गया है और बहुत सारे विकास के कार्य हुए हैं, हमारे गांव के लोग जो बाहर पलायन करते हैं तो उन लोगों को यहां पर ही रोजगार मिले और उनके लिए शिक्षा की व्यवस्था भी की जाए और मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करती हूँ।

75. श्री शुभम, ग्राम–मल्दी ने कहा कि मैं उन गौ माता के लिए बोलने आया हूँ, जो नि शब्द है यहां पर बड़े–बड़े सीमेंट प्लांट खुलने से गाय आज इधर–उधर घूम रही है और सड़क दुर्घटना का शिकार हो रही है, हमारे क्षेत्र में बहुत सारी कृषि जमीन थी, जो आज पूरी तरह से उद्योग में चली गयी, गाय के चारागाह के लिए जमीन ही नहीं है तो उनका क्या होगा? यह चिंता का विषय है उनकी सुरक्षा के लिए हम क्या कर सकते हैं? उनकी सुरक्षा के लिए कुछ करें और हमारे किसान रासायनिक खाद की जगह जैविक खाद का उपयोग कर सकते है, आज सारी जमीन बंजर होती जा रही है क्या हम पत्थर खाएंगे? यहां बीमारियां भी हो रही है कोई चर्म रोग से ग्रस्त है तो कोई खांसी की बीमारी से ग्रस्त है क्योंकि औद्योगीकीकरण से पॉल्यूशन बढ़

रहा है अभी यहां पीछे बैठे हुए भैया लोग कह रहे थे कि पीछे तक आवाज नहीं आ रही है तो मैं यह कहना चाहूँगा कि बच्चे लोगों का एग्जाम चल रहा है इसलिए हम आवाज ज्यादा नहीं बढ़ा सकते तो हमको यह सोचना चाहिए कि यहां बच्चों की परीक्षा हो रही है तो हमें यहां पर जनसुनवाई का कार्यक्रम नहीं करना चाहिए हमें चिंता है कि उन तक इस समय की आवाज नहीं जानी चाहिए आज यहां के बच्चे बेरोजगार इसलिए हैं, क्योंकि वह शिक्षित नहीं है और उसका कारण यह है कि उन्हें अच्छी शिक्षा नहीं देना चाहते क्योंकि हम उनको बेरोजगार बनाना चाहते हैं ताकि वह यहां आकर गुहार लगाएं कि हमको रोजगार चाहिए हमारे आस–पास के जो स्कूल है उसमें अच्छी शिक्षा की व्यवस्था नहीं है शिक्षक की व्यवस्था नहीं है वहां अगर बच्चे शिक्षित होंगे तो वह यहां रोजगार मांगने के लिए नहीं आएंगे, वह खुद पढ़ लिखकर अच्छा रोजगार पा लेंगे मैं कहता हूँ कि आप यहां के बच्चों को शिक्षित करिए, आप अपने फाउंडेशन को भेजिए गांव में। आपके फाउंडेशन में 6 महीने का ट्रेनिंग दिया जाता है वह बच्चे 6 महीने में कहां से शिक्षित हो जाएंगे उनके लिए शिक्षा की व्यवस्था की जाए ताकि वह स्वावलंबी बन सके और अपने लिए रोजगार की व्यवस्था खुद कर सके।

76. श्रीमती आशा ध्रुव, ग्राम–भद्रापाली ने कहा कि मेरे गांव में फाउंडेशन की तरफ से कार्य जरूर हुआ है लेकिन जितना अच्छा काम होना चाहिए था उतना अच्छा काम नहीं हुआ है और मैं यही चाहती हूँ कि हमारे गांव में और विकास के कार्य हों। महिलाओं को और पुरुषों को रोजगार मिले और साथ में रात के समय यहां बहुत ज्यादा डस्ट होता है और बदबू भी आती है तो उसकी निराकरण की व्यवस्था की जाए ताकि लोगों के स्वास्थ्य पर असर न पड़े ऐसे उपकरण लगाए, जिससे ज्यादा आवाज ना आए। प्लांट में पत्थर तोड़ने के लिए जो उपकरण लगाए गए हैं उससे बहुत ज्यादा आवाज आती है, मैं जनसुनवाई का समर्थन करती हूँ।

77. श्री द्वारिका प्रसाद बंजारे ने कहा कि जब से मल्दी– मोपर में माईंस की स्थापना हुई है तब से वहां इतना प्रदूषण होता है अगर उस पर रोक नहीं लगाया गया तो गांव में बीमारी फैल जाएगी मैडम आपसे मैं यह कहना चाहता हूँ कि बेरोजगारी बहुत चरम सीमा पर है इस पर आप ध्यान दीजिए यहां पर हमारे गांव के कुछ लोगों द्वारा आवेदन दिया गया है।

78. श्री शिवचरण खुंटे, ग्राम–कर्मडीह ने कहा कि हमारे गांव के 700 एकड़ जमीन का अधिग्रहण हुआ है और कंपनी द्वारा कहा गया था कि 125 आदमी को नौकरी दी जाएगी अब तक हमारे गांव के 40 आदमी को भी नौकरी नहीं मिली है और मार्च तक हमारे गांव के लोगों को रोजगार नहीं मिलेगा तो हम पूरा गांव हड़ताल में बैठ जाएंगे हमार गांव आने जाने के लिए रोड भी नहीं है हमारे गांव के लिए रोड बनना चाहिए। मैं कंपनी प्रबंधन से बात करने जाता हूँ तो वहां मेरी बात नहीं सुनी जाती।

79.श्री रतिराम साहू, ग्राम–मोपर ने कहा कि जिस प्रांगण में यह शिविर लगा है उसके बगल में जो हायर सेकेंडरी स्कूल चल रहा है यह अंबुजा सीमेंट की देन है यह जो 5 एकड़ का प्लांट है इसमें 4 से 5 फीट तक का गडढा था इसको संतलीकरण करने में मुझे फाउंडेशन ने हमारा सहयोग किया हमारे ग्राम मोपर में स्वास्थ्य विभाग है वहां आपातकालीन के लिए एक एंबुलेंस की सुविधा चाहिए और वृक्षारोपण की बात की जाए तो यहां छोटे–छोटे पेड़ न लगाकर बड़े–बड़े पेड़ जैसे आम के पेड़ लगाइए, बरगद के पेड़ पीपल के पेड़ लगाइए और मैं जनसुनवाई का समर्थन करता हूँ।

80.श्रीमती चंद्रिका साहू, ग्राम–मलपुरी ने कहा कि अंबुजा फाउंडेशन के द्वारा हमारे गांव में एक समूह बनाया गया है और उस समूह के माध्यम से हमें बहुत से रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं इसलिए मैं जनसुनवाई का समर्थन करती हूँ ।

81.श्री मन्नू लाल निषाद, ग्राम–मोपर ने कहा कि आज ग्राम मोपर में जनसुनवाई का कार्यक्रम रखा गया है मैं गरीब किसान का बच्चा हूँ, अभी मंच पर जल विभाग के अधिकारी, पर्यावरण विभाग के अधिकारी और राजस्व विभाग के अधिकारी और अंबुजा सीमेंट के अधिकारी सब यहां बैठे हुए हैं। अभी आज जितने भी लोगों ने कहा सिर्फ रोजगार के बारे में कहा जैसे भारत को भारत माता कहते हैं, छत्तीसगढ़ को छत्तीसगढ़ महतारी कहते हैं वैसे ही धरती को धरती माता कहा जाता है छत्तीसगढ़ की भूमि से जो पत्थर का दोहन हो रहा है उससे छत्तीसगढ़ की भूमि कमजोर हो रही है, जिससे भूकंप आने की संभावना है जिससे हम सब प्रभावित होंगे। इस कंपनी के मालिक तो दिल्ली, मुंबई या कहीं बाहर बैठे होंगे। पर्यावरण से संबंधित वृक्षारोपण से संबंधित और रोजगार से संबंधित कार्यों को ध्यान में रखकर कार्य किया जाए।

82.श्री छबिराम, ग्राम–कर्मडीह ने कहा कि हमारे गांव की स्थिति को सब जानते हैं फिर भी सब जानबूझकर अनजान है पूरे किसान और मजदूर सड़क पर आ गए हैं और हमारे गांव के बच्चों का भविष्य क्या होगा? यह कंपनी के ऊपर है क्योंकि हमारी जमीन को कंपनी ने लिया है और जब हमसे जमीन लिया गया तब हमारी बहुत सेवा किया गया था, सर्दी ना हो इसके लिए कंबल बांटा गया, कंपनी की ओर से हमारे गांव को गोद लिया गया है लेकिन अभी हमारे गांव की तरफ कुछ भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है। हमने हमेशा कंपनी का साथ दिया हमने अपनी जमीन भी कंपनी को दी लेकिन इस कंपनी ने हमें सड़क पर लाकर रख दिया है अगर हमारी बात को नहीं सुना जाएगा तो हमारे गांव के सभी लोग माईंस में जाकर धरना देंगे, तभी हमारी बात को माना जाएगा।

83.श्री चीनू वर्मा, विधायक प्रतिनिधि, ग्राम–मल्दी ने कहा कि आज ग्राम पंचायत मोपर में चूनापत्थर खदान विस्तार के लिए जनसुनवाई रखा गया है। प्लांट आने से

विकास तो होता ही है और उसके साथ–साथ हमारे स्थानीय लोगों को रोजगार मिले, अभी हमारे एक भाई ने गाय के बारे में बात किया है, हमारे गांव में चारागाह के लिए जमीन आरक्षित की गई थी जिसे अभी कंपनी उपयोग कर रही है, हमारे गांव में चारागाह के लिए अभी जमीन ही नहीं है तो गौमाता का क्या होगा? तो इसका समाधान निकालना बहुत जरूरी है प्लांट लगना चाहिए, प्लांट के लगने से आस–पास के क्षेत्र का विकास होता है और इसी बात के साथ में इस जनसुनवाई का समर्थन करता हूँ।

84. श्रीमती रंजना वर्मा, ग्राम–भद्रापाली ने कहा कि अंबुजा कंपनी की तरफ से हमारे गांव में बहुत सारा विकास हुआ है कृषि के क्षेत्र में स्वास्थ्य के क्षेत्र में विकास के कार्य हो रहे हैं जब से फाउंडेशन की तरफ से समूह बनाया गया है इससे महिलाएं व्यवसाय का प्रशिक्षण लेकर अपने आर्थिक स्थिति में सुधार कर रही है और मैं चाहती हूँ कि और आगे अच्छा–अच्छा प्रशिक्षण मिले महिलाओं को जिससे उनके आर्थिक स्थिति में सुधार हो, इसलिए मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करती हूँ।

85. श्रीमती मीरा वर्मा, ग्राम–देवरानी ने कहा कि अंबुजा फाउंडेशन के तहत् मेरे गांव में बहुत से विकास के कार्य हुए हैं हमारे गांव के स्कूल का बाउंड्रीवॉल सड़क का सीमेंटीकरण का कार्य हुआ है और मैं चाहती हूँ कि ऐसे ही कार्य होते रहे और मेरे गांव के जो पढ़े लिखे युवा हैं उन्हें उनकी योग्यता के अनुसार रोजगार दिया जाए और हमारे गांव में वृक्षारोपण भी किया जाए जैसे पीपल के पेड़, बरगद के पेड़ भी लगाया जाए।

86. श्री सलीम कुमार महिलांगे, ग्राम–कर्मडीह ने कहा कि मेरा काम अभी अंबुजा प्रोजेक्ट में चल रहा है और मैं यहां चाहता हूँ कि मेरा काम आगे इसी तरह चलता रहे और मेरे साथी युवा भाइयों का भी काम चलता रहे और जो बेरोजगार युवा भाई हैं, उन्हें रोजगार मिले और मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करता हूँ।

87. श्रीमती पुष्पा वर्मा, ग्राम–रवान ने कहा कि हमारे गांव में प्लांट है जिसकी वजह से बहुत से बेरोजगार लोगों को रोजगार मिला है और हमारे आस–पास के गांव में फाउंडेशन की तरफ से बहुत सारे कार्य किए गए हैं और हमारे गांव में फाउंडेशन की तरफ से समूह का गठन कराया गया जिसमें महिलाओं को बहुत सारे प्रशिक्षण दिया जाता है जैसे की सिलाई, ब्यूटीशियन, पापड़, बनाना आदि के कार्य सिखाए जाते हैं जिससे महिलाएं अपने और अपने घर की आर्थिक स्थिति को सुधार रही हैं। अब महिला बैंक लोन लेकर अपने छोटे–मोटे कार्य को पूरा कर रही है और उनके बच्चे को भी अच्छी शिक्षा मिल रही है और मैं चाहती हूँ कि फाउंडेशन के द्वारा इसी तरह बहुत अच्छे–अच्छे कार्य होते रहे हमारे समूह में ऐसी बहुत से कार्य है जिसे महिलाएं स्वयं करती हैं जिसकी वजह से और महिलाओं को ट्रेनिंग दिया जाए और मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करती हूँ।

88.श्रीमती अंबिका पटेल, ग्राम–रवान ने कहा कि अंबुजा कंपनी ने हमारे पंचायत को 75 लख रुपए दिया है जिसमें रोड का सीमेंटीकरण का कार्य, पशुओं के रहने के लिए गौशाला का निर्माण, तालाब गहरीकरण, नाली निर्माण आदि कार्य के लिए दिया गया है तो जैसे–जैसे कंपनी का विस्तार होगा तो जो भी गांव कंपनी के आस–पास हैं वहां कभी विकास होगा। दूसरी बात जो भी हमारे कंपनी के आस–पास जितने भी गांव हैं वहां जो शिक्षित युवा है और जो महिलाएं काम करना चाहती है उन्हें रोजगार दिया जाए और यहां पर मैंने कुछ भाइयों से पशुओं के बारे में सुना तो मैं कहना चाहता हूँ कि गाय जब बच्चा देती है तब उसके लिए घर और चार कैसे आ जाता है अभी कहते हैं कि वह गली–गली घूम रही है तो इसकी जवाबदारी किसकी है, इसकी जवाबदारी हम सब की हैं अपने बच्चों के लिए घर बनाते हैं वैसे ही पशुओं के लिए भी घर का निर्माण करना चाहिए सरकार चावल देती है तो क्या हम कंपनी वाले को या सरकार को कहते हैं कि आकर उसे पकाए नहीं ना हम उसे खुद ही पका कर खाते हैं तो उसी तरह स्वास्थ्य का ख्याल रखना हमारे हाथ में है ना कि कंपनी के हाथ में और यहां पर कुछ लोग रोजगार के बारे में बातें कर रहे हैं तो कंपनी रोजगार यहां देती है और जब महीने के आखिरी में तनख्वाह मिलती है तो क्या कंपनी कहती है कि भट्टी जाकर शराब पियो, आज यहां की महिला इतनी सक्षम इस कंपनी की वजह से ही है।

89.श्री राम कुमार साहू, ग्राम–रवान ने कहा कि जनसुनवाई के संबंध में जो बातें कह रहा हूँ, आज यह जनसुनवाई का कार्यक्रम हमारे ग्राम मोपर में हो रहा है और विगत 22 साल पहले 2006 में यहां जनसुनवाई का कार्यक्रम रखा गया था, जिसमें क्षेत्र के और हमारे ग्राम मोपर के करीब 700 एकड़ जमीन को अंबुजा सीमेंट द्वारा खरीदा गया लेकिन अभी तक हमारे गांव के जो युवा बेरोजगार साथी हैं उन्हें अभी तक रोजगार उपलब्ध नहीं हुआ है आज 22 वर्षों के बाद फिर से यहां जनसुनवाई का कार्यक्रम हो रहा है तो मैं शासन प्रशासन एवं अंबुजा प्रबंधन से निवेदन करना चाहता हूँ कि हमारी जो जमीन बिक्री हुई है, तो उससे कई किसान के बच्चे बेरोजगार हो गए हैं तो वह यहां से पलायन करके बाहर रोजगार की तलाश में गए हुए हैं आज कम से कम 500 बेरोजगार युवा मेरे गांव में घूम रहे हैं तो मैं चाहता हूँ कि यहां के बेरोजगार युवा को रोजगार मिले।

90.श्रीमती अंबिका डुंडे, ग्राम–केसली ने कहा कि मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करती हूँ और मेरे गांव में जितने भी बेरोजगार लोग हैं उनको इस प्लांट में रोजगार मिलना चाहिए और महिलाओं को भी रोजगार मिलना चाहिए और जो भी कार्य कंपनी द्वारा किया गया है वह तो सराहनीय है लेकिन कुछ कार्य अधूरे हैं जैसे हमारे गांव का जो रोड है वह अभी जर्जर है तो उसका सीमेंटीकरण कराया जाए, नाली का निर्माण कराया जाए।

91. लोक जनसुनवाई में आए हुए एक पुरुष ने कहा कि हमारे गांव के बेरोजगार भाइयों को रोजगार मिलना चाहिए पहले भी कुछ लोगों को रोजगार मिला है और अभी माइंस के आने से और जो लोग हैं उनको भी काम मिलना चाहिए, ऐसी मैं आशा करता हूँ, और मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करता हूँ।
92. श्रीमती सुनीता यादव, ग्राम– देवरानी ने कहा कि अंबुजा फाउंडेशन के द्वारा हमारे गांव में बहुत से विकास हुए है और समय–समय पर हमारे स्वास्थ्य की जांच भी की जाती है और शिविर में बहुत कम पैसे में दवाई भी दी जाती है और समूह के द्वारा हमारे गांव की महिलाओं को सिलाई मशीन दिया गया है और इसलिए मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करती हूँ।
93. श्रीमती मंजू साहू ने कहा कि मैं अंबुजा कंपनी में कार्य करती हूँ, मुझे 17 साल हो गए यहां काम करते हुए और मैं यही उम्मीद करती हूँ कि यहां के बच्चों को रोजगार मिलेगा, इसलिए मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करती हूँ।
94. श्री भूपेंद्र, ग्राम–बलौदाबाजार ने कहा कि मैं जनसुनवाई का समर्थन करता हूँ। फाउंडेशन के द्वारा बहुत सारे ट्रेनिंग सेंटर चलाए जाते हैं जिससे युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं, इसलिए मैं जनसुनवाई का समर्थन करता हूँ।
95. श्री योगेश ने कहा कि मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करता हूँ, इस कंपनी से आस–पास के लोगों को रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है और आगे भी मिलते रहे।
96. श्री राम कुमार वर्मा, ग्राम–मल्दी ने कहा कि मैं इस कंपनी का विरोध करता हूँ क्योंकि हमें झूठा दिलासा दिया जाता है कि आज नौकरी में रखेंगे, कल नौकरी में रखेंगे और हमें आज तक नौकरी नहीं मिला है, यह सिर्फ झूठे आश्वासन देते हैं।
97. श्री दिलीप कुमार धृतलहरे, ग्राम– खैरताल ने कहा कि मैं 15 वर्षों से अंबुजा सीमेंट में काम कर रहा हूँ और अंबुजा सीमेंट बहुत अच्छे से काम करती है और आस–पास के गांव में रोड का निर्माण शिक्षा की व्यवस्था और स्वास्थ्य के लिए भी अच्छा कार्य करती है और मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करता हूँ।
98. श्री नेता सिंह ठाकुर, ग्राम–कर्मडीह ने कहा कि इस संयंत्र में मुझे 8 साल हो गए कार्य करते हुए। मेरा घर परिवार इस कंपनी के माध्यम से चल रहा है, कंपनी का जितना ज्यादा विस्तार होगा, उतना ही लोगों को रोजगार मिलेगा, इसलिए मैं इस कंपनी का पूर्ण समर्थन करता हूँ।
99. श्री मुकेश दुबे, ग्राम–रवान ने कहा कि मैं ही जनसुनवाई का पूर्ण समर्थन करता हूँ क्योंकि अंबुजा सीमेंट के आने से आस–पास के क्षेत्र का विकास तो हुआ ही है, मुझे और मेरे 40 साथियों को संयंत्र द्वारा रोजगार दिया गया है इसलिए मैं इस जनसुनवाई का पूर्ण समर्थन करता हूँ।

100. श्रीमती लक्ष्मी यादव, ग्राम–मोपर ने कहा कि कंपनी के द्वारा हमारे गांव में बहुत सारे कार्य किए गये हैं, लेकिन मैं चाहती हूँ कि हमारे बेरोजगार युवकों को उनके योग्यता के अनुसार कार्य दिया जाए और मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करती हूँ।

101. श्री जीवन लाल वर्मा, ग्राम–पौसरी ने कहा कि अंबुजा सीमेंट अपना विकास तो कर ही रही है साथ ही साथ आस–पास के गांव के भी विकास करिए जैसे रोड बनाना, नाली का निर्माण करना, तालाब गहरीकरण करना आदि कार्य करवा रही है महिला समूह का गठन किया गया है, मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करता हूँ।

102. जनसुनवाई में उपस्थित एक महिला ने कहा कि कंपनी के द्वारा हमारे गांव में रोड निर्माण कराया गया है, नाली का निर्माण कराया गया है, तालाब का गहरीकरण कराया गया, इसलिए मैं अंबुजा फाउंडेशन का समर्थन करती हूँ।

103. श्री वेदराम साहू ने कहा कि हमारे गांव में 15 साल हो गया जमीन को कंपनी द्वारा लिए हुए लेकिन आजतक किसी व्यक्ति को रोजगार नहीं मिला है सिर्फ छलावा होता है। अंबुजा सीमेंट के अधिकारियों से आग्रह करता हूँ, कि गांव के युवा बेरोजगारों को रोजगार दिया जाए।

104. श्री कमल राम निषाद, ग्राम–मोपर ने कहा कि आज से कुछ समय पहले जब इस कंपनी ने हमारे जमीन को खरीदा, इसमें जो हमारा 65 डिसमिल जमीन था उसे कंपनी ने कंपनी दर पर पैसा ना देकर दलाल के जरिए खरीदा और आज जो 65 डिसमिल जमीन में 20 से ज्यादा पेड़ थे, वह जमीन बिक गया लेकिन उसके बदले पेड़ अभी तक नहीं लगाया गया जिससे हमारे गांव का जलस्तर नीचे गिर गया है हमको खुद टैंकर से पानी मंगाकर पीना पड़ रहा है जब ब्लास्टिंग होता है तो हमारे घर की दीवारें हिलने लगी है आप कंपनी लगे हम इसका समर्थन करेंगे पर तब जब हमने हमारी जमीन बेची है तो हमारे बच्चों को यहां रोजगार मिलना चाहिए तो इस कंपनी को मैं यह कहना चाहूँगा कि हमारे हित को ध्यान देते हुए कार्य किया जाए।

105. श्री लखन लाल, ग्राम–कर्मडीह ने कहा कि आज यहां पर शिविर लगा है और यहां पर हम अपने दुख को बता रहे हैं तो कंपनी प्रबंधन द्वारा हमारी बात को क्यों नहीं सुना जा रहा है कंपनी प्रबंधन से मैं कहना चाहूँगा कि जितने भी हमारे बच्चे हैं उनको रोजगार में लगाया जाए, नहीं तो हम सब मिलकर हड़ताल करेंगे, हम समर्थन तभी करेंगे जब हमारे बच्चों को रोजगार मिलेगा।

106. श्री मंगल सिंह साहू, ग्राम–मोपर ने कहा कि मेरी जमीन अंबुजा कंपनी क अंदर है और आज 5 साल बाद भी मेरी जमीन को खरीदा नहीं गया है, कंपनी द्वारा तो मैं आप लोगों से यह निवेदन करना चाहता हूँ कि मेरी जमीन को खरीदा जाए सिर्फ मेरी ही जमीन बची हुई है। मैने जमीन का नकल निकलवाया, यह सोचकर कि मेरी जमीन खरीदी जाएगी लेकिन आज तक जमीन को खरीदा नहीं गया है, जिस दिन रजिस्ट्री में जाना था उस दिन मुझे किसी ने कुछ बताया ही नहीं।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी महोदया, जिला बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.) द्वारा कहा गया कि इस जनसुनवाई में जो आम जनता के द्वारा अपना विचार व्यक्त किया गया है, उसके संबंध में परियोजना प्रस्तावक क्या विचार रखते हैं, वो आकर अपना स्पष्टीकरण दें।

परियोजना प्रस्तावक की ओर से श्री मनोज शंकर सिंह, माईंस हेड, ने कहा कि आज की जो लोक सुनवाई हुई उसमें मुख्य रूप से जो लोगों के विचार सामने आए वो रोजगार के संबंध में, उसके पक्ष में मैं अपनी कंपनी का पक्ष रखते हुए उसके संबंध में बहुत संक्षिप्त में आप लोगों को बताना चाहूँगा कि कंपनी अंबुजा विगत 50 वर्षों से यहां कार्यरत हैं और परियोजना क्षेत्र के भीतर जितने भी ग्राम है, उसमें से उनकी योग्यता अनुसार अधिक से अधिक रोजगार देने की कोशिश रहती है। उसके साथ ही हम जो रोजगार के क्षेत्र में जो कार्य कर रहे हैं उसमें हमारा जोर है कि हम लोगों को रोजगार के साथ–साथ उनके स्किल को भी बढ़ाने के लिए कार्य कर रहे हैं। आपको यह बताना चाहता हूँ कि हमारे परियोजना के अन्दर जितने भी गाँव आते हैं, उनके लगभग 30 हजार युवा लोग को हमारे उद्योग से फायदा हो रहा है। इसके साथ ही मैं यह भी आश्वस्त करना चाहूँगा अंबुजा कंपनी की तरफ से कि आगे जो भी यूनिट अभी प्रस्तावित हैं, लाईन–4 एवं लाईन–5 में जहां तक संभव होगा गाँव के युवाओं को रोजगार प्रदान करने का भरपूर प्रयास करेंगे। इसके संबंध में आपको विस्तार से जानकारी देने का प्रयास करूँगा। मैं अपनी कंपनी के तरफ से आप सबको आश्वस्त करना चाहता हूँ कि विकास के सभी महत्वपूर्ण बातें जो इस क्षेत्र के विकास के संबंध में कही गयी है, जितने भी वक्ताओं ने अपनी बात रखीं उसमें से बहुत से लोगों ने स्वीकार किया कि विकास की बात हो, या उनके बच्चों की पढाई–लिखाई की बात हो, इस विषय में सभी लोगों ने काफी बढ़–चढ़कर अपनी बात कही हैं। मैं इस कडी में और जोडना चाहता हूँ कि गाँव वालों के साथ हमारी बैठक हुई है, आज इतने लोगों से हमारा संवाद हुआ हैं हमने लोगो को सुझाव दिया है कि आप अपने गाँव में कोर कमेटी का गठन करें। कुछ गाँव ने बनाया हैं, और उन कोर कमेटी से हम लगातार संपर्क में रहेंगे कि हम जो भी परियोजना आपके आस–पास के गाँव में लाना चाहते हैं, उसमें आपके साथ मिलकर जो जनता के हित में हो, उसके लिए हम हमेशा प्रयास करते रहेंगे। आप इस बात का भरोसा रखिये। क्योंकि हम मजबूत सीमेंट बनाने के साथ–साथ, मजबूत रिश्ते बनाने में विश्वास रखते हैं और उनके साथ–साथ और जो मुद्दे आपके द्वारा उठाये गए हैं जैसे डेव्हलपमेंट और स्वास्थ्य के बारे में चर्चा हुई. मैं यह कहना चाहता हूँ कि हम और ज्यादा शिविर लगायेंगे और जिन गाँव में ज्यादा फोकस करना है उसमें जो प्राथमिक सुविधाएँ हैं और कुपोषण की बीमारी पर

हमारा ज्यादा फोकस है, जो गर्भवती महिलाएँ हैं, उनके स्वास्थ्य पर ज्यादा फोकस रहेगा और शिविर आयोजन ज्यादा से ज्यादा कराया जाएगा और शासन के साथ मिलकर और आपके सहयोग से हम करेंगे। कुछ महत्वपूर्ण बातें मैं आपको बताना चाहूँगा कि जो रोजगार की बात है तो उसकी एक सीमा है तो जो लोग उस सीमा के अन्तर्गत आएँगे उनको हम उनकी योग्यता के आधार पर रोजगार प्रदान करेंगे, और जो लोग पलायन कर रहे हैं उनसे कहूंगा कि आप ट्रेनिंग सेंटर से जुड़िये, वहाँ बहुत तरह की ट्रेनिंग दी जा रही हैं और हम कोशिश करते हैं कि उन्हें हमारे प्लॉट में ही रोजगार दिया जाए अन्यथा हमने और कंपनी से भी टाई अप करके रखा है और जो बच्चे वहाँ जाकर कार्य कर रहे हैं, उनका फीडबैक भी हम ले रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात जो महिला सशक्तिकरण की बात तो हमारा समाज पुरुष प्रधान समाज है और हमें गर्व है कि यहाँ की महिलाएँ आज इतनी सक्षम है कि वो अपने परिवार और बच्चों का पालन–पोषण कर रही है और उच्च शिक्षा के लिए उन्हें प्रेरित कर रही हैं। जितनी भी महिलाएँ अंबुजा फाउडेशन से जुड़ रही हैं मैं उनको बहुत–बहुत बधाई देना चाहता हूँ। पिछले कुछ महीनों में यहाँ एक सेनेटरी पैड की फैक्ट्री का निर्माण किया गया है। इसकी लागत कंपनी ने वहन किया है और इसकी आवश्यकता भी थी और प्रशासन के तरफ से महिलाओं को यह सुविधा उपलब्ध कराया जायें। प्लांट उत्पादनरत हैं और स्टोर में उसकी बिक्री भी की जा रही हैं। कृषि के क्षेत्र में और खेती, कंपनी इस दिशा में बहुत कार्य कर रही हैं, किसानों को ट्रेनिंग देना, उन्नत बीज की बिक्री करना और विशेषज्ञ द्वारा किसानों को ट्रेनिंग भी दिया जाता है। किसान किस तरह की खेती करना चाहते हैं और जमीन उसके लायक है कि नहीं, इस तरह की जानकारी उन्हें प्रदान करते हैं। हर चीज का विरोध करना गलत है, जो सारे सकारात्मक चीजें हैं उसको लोगों ने स्वागत–स्वीकार किया है और हम उनको स्वागत करते हैं। जितने भी सुझाव हैं उसके लिए आप सभी का धन्यवाद। हमारी कार्य योजना सिर्फ शहर तक ही सीमित नहीं है। कुछ लोगों ने कहा कि खदान गलत तरीके से चलाया जा रहा है। करके तो मैं कहना चाहूँगा कि खदान के सभी नियम–कानून बहुत सख्त है और हमारी कंपनी सारे नियमों का पालन बहुत सख्ती से कर रही है। आपने कहा कि ब्लास्टिंग से घर को क्षति हो रहा है, तो मैं कहना चाहूँगा कि ब्लास्टिंग तो होनी ही है, हमने उसका विकल्प भी ढूंढ रखा है। हम उसके लिए नॉन कन्वेंशनल मेथड से ब्लास्टिंग नहीं करते हैं।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी महोदया, जिला बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.) ने कहा कि आज इस जन सुनवाई में जो भी कार्यवाही की गई वो सभी रिकॉडिंग कर ली गई है। आप सभी ने शांतिपूर्ण तरीके से अपना विचार एवं अभिमत व्यक्त किया। इसके लिए मैं आप सभी का धन्यवाद व्यक्त करती हूँ और

आज की जन सुनवाई यहीं पर समाप्ति की घोषणा करती हूँ। लगभग अपरान्ह 2:20 बजे लोकसुनवाई की समाप्ति की घोषणा की गई। लोक सुनवाई के संबंध में प्राप्त आवेदनों की संख्या 169 है। संपूर्ण लोकसुनवाई की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी की गई।

क्षेत्रीय अधिकारी
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल,
रायपुर (छ.ग.)

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी,
जिला बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.)